उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मुंबई में बारिश ने कहर मचाया हुआ है। सबसे ज्यादा नुकसान उत्तराखंड में हुआ है। यहां नदी-नाले उफान पर हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड से लेकर स्कूल-बाजार तक पानी में डूबे हुए हैं।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:209 दिनांक:10-07-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ण्ण्ठ) ने मंगलवार को गौतम गंभीर को भारतीय क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया। गंभीर ने राहुल द्रविड़ की जगह ली है। वह जुलाई के अंत में शुरू होने वाले श्रीलंका दौरे से टीम इंडिया से जुड़ेंगे

उत्तराखंड में पानी ही पानी.....रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड से लेकर स्कूल-बाजार सब डूबे

उधमसिंह नगर (ईएमएस)। बारिश का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मुंबई में बारिश ने कहर मचाया हुआ है। सबसे ज्यादा नुकसान उत्तराखंड में हुआ है। यहां नदी-नाले उफान पर हैं। आलम ये है कि कुछ नदियां अपनी सारी हदें तोड़कर आबादी तक आ गई हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड से लेकर स्कूल-बाजार तक पानी में डूबे हुए हैं। उधमसिंह नगर के खटीमा में जबरदस्त बारिश हुई। तेज बारिश के कारण चारों तरफ पानी ही पानी हो गया। नेपाल और पिथौरागढ़ को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे भी पानी में पूरी तरह से डूब गया। खटीमा के टोल प्लाजा के आस-पास इतना पानी भर गया कि पूरा टोल बूथ ही पानी में ही डूब गया। पानी भरने के बाद टोल प्लाजा का ऑपरेशन रोकना पड़ा।

खटीमा और सितारगंज के अलावा चंपावत जिले के पूर्णागिरि डिवीजन में पानी भरने के कारण पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल-एनडीआरएफ और राज्य आपदा प्रतिवादन बल-एसडीआरएफ के जवाने को लगभग 200 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। इन लोगों ने होटल, सामुदायिक भवनों और अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ली है।

इस बीच राहत की बात ये है कि बारिश के चलते रोकी गई चारधाम यात्रा फिर से शुरू हो गई है। राज्य भर में 200 से अधिक ग्रामीण सड़कें भूस्खलन के मलबे से अवरुद्ध हो गई हैं। पिथौरागढ़ जिले में लगातार बारिश हो रही है, जिससे दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

टनकपुर से पिथौरागढ़ तक का बारहमासी मार्ग भारी बारिश के कारण पिछले चार दिनों में कई बार बंद हो चुका है। इस मार्ग को पिथौरागढ़ और चंपावत दोनों जिलों की जीवन रेखा माना जाता है। जिले के आपदा प्रबंधन अधिकारी बीएस महार ने बताया कि पिथौरागढ़ जिले में बारिश के बाद छह सीमावर्ती सड़कों और 21 ग्रामीण सड़कों सहित 28 से अधिक सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। नैनीताल जिले में हल्द्वानी के पास नदियां और नाले उफान पर हैं, गौला नदी का जलस्तर बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के पास जमीन का कटाव शुरू हो गया है।

बारिश के कहर के बाद अब पहाड़ों पर खिली धूप भी लोगों के जी का जंजाल बन गई है। धूप खिलने के कारण पहाड़ चटकने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। जोशीमठ से एक किलोमीटर पहले बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग जोगी धारा के पास बाधित हो गया है। हालांकि मौके पर दो जेसीबी मशीन लगाकर रास्ते को खोलने का काम जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान दिया गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश के अत्यंत प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द अपोसल से आधिकारिक रूप से सम्मानित किया।

भारत और रूस के बीच साझेदारी और दोस्ती को बढ़ावा देने के भारत के प्रधानमंत्री के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए नरेंद्र मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान दिया गया। पीएम मोदी की दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में असाधारण सेवाओं के लिए प्रशंसा की गई।

प्रधानमंत्री ने एक भव्य समारोह में पुरस्कार प्राप्त करने के बाद 'एक्स पर लिखा, ''ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल पुरस्कार प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे भारत की जनता को समर्पित करता हूं।

साल 1698 में यीशू के प्रथम प्रचारक और रूस के संरक्षक संत सेंट एंड्रयू के सम्मान में जार पीटर द ग्रेट द्वारा स्थापित 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल रूस का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। यह एक ही वर्ग में प्रदान किया जाता है और केवल सबसे उत्कृष्ट नागरिक या सैन्य योग्यता के लिए दिया जाता है। ये सम्मान समारोह ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू के भव्य हॉल में हुआ। इसका उपयोग सदियों से रूस में औपचारिक आयोजनों के लिए किया जाता रहा है।

रूस दौरे पर भारतवंशियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले- हमारे लिए रूस मतलब सुख-दुख का साथी

मॉस्को(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस दौरे के दूसरे दिन मॉस्को में भारतवंशियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा- चुनौती को चुनौती देना मेरे डीएनए में है। आज दुनिया भारत का विकास देखकर आश्चर्यचकित है। हमारे पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप सिस्टम है। ग्लोबल प्रोसपेरिटी को बढ़ावा देने के लिए भारत-रूस कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। पीएम ने कहा कि भारत-रूस के बीच अनोखा रिश्ता है। रूस का नाम सुनते ही भारतीयों के मन में आता है, हमारा सुख-दुख का साथी। मैं अपने साथ हिंदुस्तान की मिट्टी की महक लेकर आया हूं। 140 करोड़ देशवासियों का प्यार लेकर आया हूं, उनकी शुभकामनाएं आपके लिए लेकर आया हूं।

मोदी ने कहा कि तीसरी बार पीएम बनने के बाद मेरा पहला संवाद मॉस्को में हो रहा है। मुझे आज शपथ लिए पूरा एक महीना हो गया है। मैंने प्रण लिया था, मैं तीसरी टर्म मे तीन गुणा रफ्तार से काम करूंगा। पीएम मोदी ने कहा कि 60 साल के इतिहास में भारत में कोई सरकार तीसरी बार चुनी जाए, ये बड़ी बात है। इस चुनाव में सारे कैमरा मोदी पर लगे रहे। इससे दूसरी घटनाओं पर लोगों का ध्यान नहीं गया।

हमने दुनिया को ग्रोथ की उम्मीद दी

पीएम ने कहा कि भारत की ग्रोइंग कैपिबिलिटी देखिए, हमने दुनिया को ग्रोथ की उम्मीद दी है। दुनिया की राजनीति के बदलते आयामों में भारत अहम भूमिका निभा रहा है। जब दुनिया पर संकट आता है तो सबसे पहले भारत पहुंचता है।

येक्टेरिनबर्ग में कॉन्सुलेट खुलेगा

मोदी ने कहा कि मैं आपसे एक गुड न्यूज भी शेयर करना चाहता हूं। कजान और येक्टेरिनबर्ग में कॉन्सुलेट खोलने का निर्णय लिया है। इससे लोगों का रूस आना जाना और व्यापार आसान होगा। कजान तातारस्तान का सबसे बड़ा शहर और राजधानी है। मोदी ने कहा कि पिछले महीने इंटरनेशनल योग दिवस पर रूस में हजारों लोगों ने पार्टिसिपेट किया। हमारे त्योहारों को रूसी दोस्त भी मनाते हैं। ये पीपल टु पीपल कनेक्ट सरकार के दायरे से काफी ऊपर होता है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं अपने मित्र पुतिन की सरहाना करूंगा। उन्होंने बीते सालों में दोनों देशों के रिश्तों के लिए जो काम किया है, उसकी सराहना करता हूं। हमारी मुलाकात 17 बार हुई है। जब हमारे स्टूडेंट संघर्ष में फंसे तो पुतिन ने उन्हें देश लौटाने में मदद की। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। हमारे नौजवान बड़ी संख्या में आते हैं।

खत्म नहीं हो रही केजरीवाल और आप पार्टी के दिक्कतें

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लिया, इसमें उन्हें आबकारी नीति मामले में आरोपी बनाया गया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने 12 जुलाई के लिए अरविंद केजरीवाल का प्रोडक्शन वारंट जारी किया है।इसके पहले, 3 जुलाई को मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर मामले में केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में नई जमानत याचिका दायर की थी।

पिछले हफ्ते, दिल्ली उच्चा न्यायालय ने दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी और उसके बाद रिमांड पर सीबीआई को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने सीबीआई को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया है। इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई है।

7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव आज

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के बाद देश भर के अलग-अलग राज्यों की तेरह विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को उपचुनाव होना है। जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें से कुछ सीटें तो लोकसभा चुनाव के बाद खाली हुई हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि कई विधायकों ने संसदीय चुनाव में हिस्सा लेने के लिए विधायकी छोड़ी थी, लिहाजा वह विधानसभा सीटें खाली हो गई हैं। वहीं, कुछ विधायकों के निधन के बाद विधानसभा सीट खाली हो गई, जिसके नए विधायकों को चुनने के लिए उपचुनाव कराया जा रहा है। दरअसल, 10 जुलाई को बिहार की एक, बंगाल की 4, तमिलनाडु की 1, मध्य प्रदेश की 1, उत्तराखंड की 2, पंजाब की 1, हिमाचल की 3 सीटों पर मतदान होगा। इन सीटों पर उपचुनाव का नोटिफिकेशन 14 जून को जारी हुआ था, नामांकन की आखिरी तारीख 21 जून रही और स्क्रूटनी भी 24 जून को हो चुकी है। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 26 जून तय की गई थी। इन सारी प्रक्रियाओं के बाद अब 10 जुलाई को वोटिंग होनी है, जिसके नतीजे 13 जुलाई को आएंगे।

किसानों को देख राहुल गांधी ने रोका काफिला, सुनी समस्याएं

लखनऊ (ईएमएस)। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने किसानों से बात की है। किसानों ने राहुल गांधी के सामने अपनी समस्या रखी, साथ ही उससे संबंधित 17 सूत्रीय मांगपत्र भी उन्हें सौंपा। मांगपत्र को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी अपने साथ ले गये हैं। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी रायबरेली से लौटकर लखनऊ एयरपोर्ट जा रहे थे, इसी बीच सड़क पर किसानों को देखकर उन्होंने अपना काफिला रोक दिया और उनसे बात की।

दरअसल, भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले जुटे सैकड़ो किसान मोहनलालगंज स्थित तहसील परिसर में मंगलवार को धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान किसानों ने जमकर नारेबाजी भी की थी। भारतीय किसान यूनियन के लखनऊ जिलाध्यक्ष राजेश रावत ने बताया कि तहसील परिसर में प्रदर्शन के दौरान मौजूद अधिकारियों ने डीएम से फोन पर बात कराई। डीएम ने हमलोगों को कल वार्ता के लिए बुलाया है, साथ ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन भी दिया है।

गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच नियुक्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बन गए हैं। क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड के सेक्रेटरी जय शाह ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। 42 साल के गंभीर ने राहुल द्रविड़ की जगह ली है। द्रविड का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा।

गंभीर ने डेढ़ महीने पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल -2024 का चैंपियन बनाया था। वे इसी साल कोलकाता की फ्रेंचाइजी के मेंटर बने थे। इतना ही नहीं, गंभीर ने अपनी मेंटरशिप में लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार 2 सीजन के प्लेऑफ में पहुंचाया था।

आदमपुर खंती मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

-नीरी तीन माह में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के संपूर्ण कचरे के निष्पादन के लिए बनाई गई आदमपुर खंती के वैज्ञानिक कचरा निष्पादन मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम आदेश पारित किया है। सुप्रीम कोर्ट की विशेष बेंच ने 9 जुलाई को आदमपुर खंती मामले की सुनवाई करते हुए एक ऐतिहासिक कदम उठाया और खंती की वास्तविकता जांच के लिए नेशनल नीरी यानी एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीटयूट को आदेश पारित कर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आदमपुर खंती की ज़मीनी हकीकत जानने के लिए नीरी, नागपुर को तीन माह का समय दिया है। इस दौरान नीरी को आदमपुर खंती की जमीनी हकीकत व स्थितियों की विस्तृत जांच करनी होगी। गौरतलब है कि आदमपुर खंती मामले की अगली सुनवाई 21 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

'सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत विरोधी गतिविधियों के कारण खालिस्तान समर्थक समूह 'सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर लगाया गया प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि एसएफजे को पांच साल पहले गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित किया गया था, क्योंकि इसकी राष्ट्र विरोधी गतिविधियां देश की आंतरिक सुरक्षा और अखंडता के लिए हानिकारक हैं।

इसमें कहा गया है कि एसएफजे पंजाब और अन्य जगहों पर राष्ट्र-विरोधी और विध्वंसक गतिविधियों में संलिप्त है तथा इसका इरादा भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करना है।

मंत्रालय ने कहा कि एसएफजे भारतीय क्षेत्र के एक हिस्से को भारत संघ से अलग करने के लिए गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और उनकी मदद कर रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, यह संगठन भारत और अन्य स्थानों पर अलगाववादी समूहों का समर्थन करता है और इसके लिए वह ऐसी गतिविधियों में लिप्त है जिनकी मंशा भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करना है।

हिट एंड रन में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मुंबई(ईएमएस)। बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले का मुख्य आरोपी मिहिर शाह गिरफ्तार कर लिया गया है। शाह ने कथित तौर पर शराब के नशे में लग्जरी कार चलाई। उसने कार से मुंबई के वर्ली में एक दोपहिया वाहन को टक्कर मारी, जिससे 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया। शाह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के नेता राजेश शाह का बेटा है। वह रविवार सुबह 5.30 बजे हुई दुर्घटना के बाद से फरार था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मिहिर को मुंबई के पास से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मिहिर के पिता राजेश शाह ने अपने बेटे को भगाने में सक्रिय भूमिका निभाई और वारदात में शामिल वाहन को वहां से हटाने की भी साजिश रची। पुलिस ने मिहिर को पकडऩे के लिए 11 टीम गठित करने के साथ अपराध शाखा को भी जांच में शामिल किया था। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में होगी हाथरस भगदड़ मामले की सुनवाई -सीजेआई ने याचिका सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने हाथरस भगदड़ मामले की जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की तारीख दे दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि उन्होंने सोमवार को याचिका को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। बता दें कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में दो जुलाई को भोले बाबा के सत्संग में भगड़द मच गई, जिसमें 121 लोगों की मौत हो गई। भगदड़ की जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति की नियुक्ति की मांग की गई है।

याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को दो जुलाई को घटना पर एक रिपोर्ट तैयार करने और अधिकारियों के खिलाफ लापरवाही के लिए कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई है। बता दें कि 2.5 लाख से भी अधिक श्रद्धालु दो जुलाई को हाथरस जिले का फुलरई गांव में भोले बाबा के सत्संग में शामिल हुए थे। वकील विशाल तिवारी ने कहा कि हमने हाथरस भगदड़ की घटना पर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित कर दिया। वह इस मामले को सूचीबद्ध करने को तैयार हैं। जल्द ही इसपर सुनवाई होगी। हमने मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञों का पैनल गठित करने की मांग की है। सरकार को घटना की स्टेटस रिपोर्ट भी तलब करनी चाहिए।

क्या कठुआ में फिर लौट रहा 90 का दशक.......जब आंतकियों का आरामगाह बना

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में कई चीजें बदली हैं। धारा 370 हटाने के बाद काफी समय तक यहां शांति रही, लेकिन हाल के महीनों में मामला अलग हुआ। कश्मीर फिर भी शांत है, लेकिन जम्मू दहशतगर्दों का नया ठौर बनता दिख रहा है। ताजा हमला कठुआ में हुआ। ये वहीं इलाका है, जो कश्मीर के सबसे अस्थिर दौर में आतंकियों की पनाहगाह बना हुआ था। लेकिन ऐसा क्या हुआ है, जो आतंकी फिर जम्मू की तरफ मुड़ रहे हैं।

कठुआ क्यों बन रहा टारगेट

नब्बे के दौरान कठुआ आतंकियों का बड़ा ठिकाना हुआ करता था, जहां से वे पूरे जम्मू-कश्मीर पर निशाना साधते। फिर ऐसा दिख रहा है। दरअसल जिले की बनावट ऐसी है कि यहां छिपना-छिपाना आसान है। जंगलों से सटे क्षेत्र में हमले के बाद आतंकी गायब हो सकते हैं, जैसा ताजा केस में दिख रहा है।

लेकिन एक बड़ी वजह इसकी भागौलिक स्थिति। जिले के एक तरफ पाकिस्तान की सीमा सटती है, दूसरी तरफ हिमाचल और पंजाब हैं। कठुआ उधमपुर, सांबा और डोडा जिलों से भी लगा हुआ है। नब्बे के दशक में यहां सुरक्षा बलों का बेस भी हुआ करता था ताकि आतंक पर रोक लग सके।

साफ दिख रहा है कि कश्मीर में शांति है, लेकिन आतंकवादी जम्मू को टारगेट हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये है कि धारा 370 हटने के बाद से घाटी में सुरक्षाबल भारी संख्या में बना हुआ है। वहां सेंध लगाना बेहद मुश्किल है। शायद इसकारण आतंकी जम्मू को निशाना बनाने की कोशिश में हैं। बता दें कि साल 2023 में भी ऐसी कोशिश हुई थी, जब जम्मू में 43 टैरर अटैक दर्ज किए गए।

त्रिपुरा में स्कूली छात्रों पर एड्स का कहर

828 छात्र पाए गए एड्स पॉजिटिव, 47 ने गंवाई जान

नई दिल्ली(ईएमएस)। त्रिपुरा के स्कूल में स्टूडेंट्स को एड्स बीमारी होने का गंभीर मामला सामने आया है। त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, त्रिपुरा में एचआईवी से 47 लोगों की मौत हो चुकी हैं और 828 छात्र एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के ज्वॉइंट डायरेक्टर का कहना है कि स्कूलों के छात्र नशीले पदार्श का भारी मात्रा में सेवन कर रहे हैं।

एचआईवी के इन आंकड़ों के लेकर टीएसएसीएस के अधिकारी ने कहा कि कि हमने अब तक 828 छात्रों को एड्स पॉजिटिव में रजिस्टर किया है। उनमें से 572 छात्र बीमारी से अभी भी ग्रस्त हैं और इस खतरनाक संक्रमण के कारण 47 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। कई छात्र देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए त्रिपुरा से बाहर चले गए हैं। त्रिपुरा एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने 220 स्कूलों और 24 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ऐसे छात्रों की पहचान की है जो इंजेक्शन वाली दवाएं लेते हैं। इतना ही नहीं, हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग हर दिन एचआईवी के पांच से सात नए मामले सामने आ रहे हैं।

कुल इतने लोग एड्स से ग्रस्त

त्रिपुरा जर्नलिस्ट यूनियन, वेब मीडिया फोरम और टीएसएसीएस द्वारा आयोजित मीडिया कार्यशाला में टीएसएसीएस के संयुक्त निदेशक सुभ्रजीत भट्टाचार्य ने त्रिपुरा में एचआईवी की स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है। अधिकारी ने बताया कि अब तक 220 स्कूलों और 24 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की पहचान की गई है, जहां छात्र नशीली दवाओं के दुरुपयोग के आदी पाए गए हैं। आधिकारी ने आगे कहा कि हमने राज्य भर में कुल 164 स्वास्थ्य सुविधाओं से डेटा देखा है। हमने एआरटी केंद्रों में 8,729 लोगों को पंजीकृत किया है। एचआईवी से पीड़ित कुल लोगों की संख्या 5,674 है। इनमें से 4,570 पुरुष हैं, जबकि 1,103 महिलाएं हैं। उनमें से केवल एक मरीज ट्रांसजेंडर है। संयुक्त निदेशक भट्टाचार्जी ने एचआईवी मामलों में वृद्धि के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ज्यादातर मामलों में, बच्चे अमीर परिवारों से हैं जो एचआईवी से संक्रमित पाए जाते हैं। ऐसे भी परिवार हैं जहां माता-पिता दोनों ही सरकारी नौकरी में हैं और बच्चों की मांगें पूरी करने में संकोच नहीं करते हैं। जब तक उन्हें पता चलता है कि उनके बच्चे नशे की गिरफ्त में आ गए हैं, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

अंग प्रत्यारोपण रैकेट का भंडाफोड़.....डोनर और लगाने वाले बांग्लादेशी

महिला डॉक्टर की भूमिका हैरान करने वाली

नई दिल्ली (ईएमएस)।दिल्ली के समीप नोएडा के एक क्लीनिक में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने छापा मारकर उस रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जो गैर कानूनी रूप से अंग प्रत्यारोपण का धंधा करता था। पुलिस ने रेड मारकर इंटरनेशनल रैकेट का भांडा फोड़ किया है। इस रैकेट में डोनर दिल्ली, एनसीआर या आसपास के किसी राज्य से नहीं बल्कि बांग्लादेश से बुलाए जाते थे। पूरे मामले में एक महिला डॉक्टर की भूमिका भी हैरान करती है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश और दिल्ली-एनसीआर में चल रहे एक ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट के सिलसिले में दिल्ली की एक महिला डॉक्टर के साथ करीब छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह छापा गुप्त सूचना के आधार पर मारा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राइम ब्रांच मामले पर दो महीने से गोपनीय तरीके से काम कर रही थी।

पुलिस ने बताया कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए दानदाता और जिन्हें ये लगाए जा रहे थे, वे भी बांग्लादेश से हैं। ये वे लोग थे जिन्हें ऑर्गन की जरूरत थी और जिन्हें सर्जरी के लिए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत लाया गया था। एक महिला डॉक्टर, जो दिल्ली में किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन के रूप में काम कर रही है ने कथित तौर पर 2021 और 2023 के बीच बांग्लादेश के कुछ लोगों की सर्जरी की थी। पुलिस का कहना है कि डॉक्टर के एक सहायक और तीन बांग्लादेशी नागरिकों सहित चार अन्य को भी गिरफ्तार किया है, और ये गिरफ़्तारियां पिछले दो सप्ताह में हुईं हैं।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, मामले के पीछे का 'मास्टरमाइंड' बांग्लादेशी है और मामले में दानकर्ता और प्राप्तकर्ता दोनों ही बांग्लादेश से थे। रैकेट में शामिल सभी लोगों के बांग्लादेश से संबंध होने का संदेह है।

पुलिस ने बताया रसेल नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो मरीजों और दानकर्ताओं की व्यवस्था करता था। प्रत्यारोपण में शामिल एक महिला डॉक्टर को भी गिरफ्तार किया गया है।'' इस मामले में गिरफ्तार सात लोगों से पूछताछ अभी भी जारी है।

दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेश और भारत में अंग प्रत्यारोपण रैकेट में कथित संलिप्तता के लिए दिल्ली स्थित मशहूर निजी अस्पताल की 50 वर्षीय डॉक्टर को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने कहा है कि डॉ.विजया कुमारी, जो अब निलंबित हैं, गिरोह के साथ काम करने वाली एकमात्र डॉक्टर थीं और उन्होंने नोएडा स्थित अस्पताल में 2021-23 के दौरान लगभग 15-16 प्रत्यारोपण किए थे।

वर्तमान मामले में, 29 वर्षीय रसेल ने अपने सहयोगियों मोहम्मद सुमन मियां, इफ्ति, जो सभी बांग्लादेश में रहते हैं, और त्रिपुरा के रतीश पाल के साथ मिलकर संभावित दानदाताओं को अपने देश से दिल्ली बुलाया। एक सूत्र ने बताया कि वे 4-5 लाख रुपये में अपनी किडनी दान करते थे और प्राप्तकर्ताओं से 25-30 लाख रुपये वसूले जाते थे। इफ्ति को छोड़कर, अन्य सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सूत्र ने बताया,राजस्थान में किडनी रैकेट का भंडाफोड़ होने के बाद सूचना मिली और पुलिस ने करीब तीन महीने पहले काम करना शुरू किया। सभी आरोपी पहली बार किडनी प्रत्यारोपण करवा रहे हैं और वे हर प्रत्यारोपण के लिए डॉक्टर को 2-3 लाख रुपये दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि यथार्थ अस्पताल से पीड़ित के मेडिकल रिकॉर्ड जब्त कर लिए गए हैं, जिसमें बांग्लादेश उच्चायोग के जाली दस्तावेज दिखाए गए हैं। जांच के दौरान, कुमारी के सहायक के रूप में काम करने वाले विक्रम को भी मामले में गिरफ्तार किया गया है। रिकॉर्ड से पता चलता है कि रसेल ने जसोला गांव में एक फ्लैट किराए पर लिया था। सूत्र ने कहा, इस किराए के फ्लैट में पांच से छह डोनर रह रहे थे।

प्रत्यारोपण से पहले सभी परीक्षण पूरे हो चुके थे। प्राप्तकर्ता फ्लैट में डोनर से मिलते भी थे।

सेम सेक्स मैरिज केस पर सुप्रीम कोर्ट नहीं करेगा सुनवाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। सेम सेक्स मैरिज केस में रिव्यू पिटिशन पर ओपन कोर्ट में सुनवाई से सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर 2023 को सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट के पिछले साल के फैसले पर 56 रिव्यू पिटिशन डाले गए हैं। इन सबकी सुनवाई 10 जुलाई को होने वाली है। सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी और एनके कौल ने सीजेआई से इन याचिकाओं पर सुनवाई ओपन कोर्ट में करने की मांग की थी।

टमाटर के भाव आसमान छूने लगे

जालंधर (ईएमएस)। मानसून की एंट्री के बाद बेशक लोगों को गर्मी से राहत मिली लेकिन सभी सब्जियों के दाम बढ़ने से रसोई का बजट डगमगा गया है। हिमाचल में लगातार बारिश होने के कारण टमाटर के भाव आसमान छूने लगे हैं। इसके अलावा आलू और प्याज समेत अन्य सब्जियों के दाम भी काफी बढ़ गए हैं। रिटेल में जो टमाटर 80 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, वह मकसूदां मंडी में 40 से 50 रुपए किलो में बिक रहा है। एक महीने पहले टमाटर 30 से 35 रुपए किलो था। इसी के साथ-साथ प्याज, आलू, गोभी, शिमला मिर्च, बीन्स, हरी मिर्च, घीया, बंदगोभी, बैंगन, भिंडी, अरबी, करेले आदि सब्जियां महंगी बिक रही हैं। जब तक हिमाचल प्रदेश में बारिश रुक नहीं जाती, तब तक सब्जियों के दामों में कमी आने की कोई उम्मीद नहीं है। दरअसल हिमाचल प्रदेश बड़ी मात्रा में टमाटर सप्लाई करता है लेकिन भरी बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं और कई जगहों पर लैंडस्लाइड देखने को मिला है जिस कारण सड़कें बंद हो जाने से टमाटर और हिमाचल से आने वाली सब्जियों की सप्लाई भी कम होने लगी है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब टमाटर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले साल मानसून के दौरान टमाटर 350 से 400 रुपए किलो तक बिका था।

121 की दर्दनाक कहानी...फिर भी बाबा पर मेहरबानी...

एसआईटी रिपोर्ट के बाद हाथरस हादसे पर योगी सरकार का पहला एक्शन ;भगोड़े को क्लीनचिट...अफसरों पर गाज

- सुप्रीम कोर्ट में होगी हाथरस भगदड़ मामले की सुनवाई, सीजेआई ने याचिका सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए

लखनऊ(ईएमएस)। हाथरस हादसे के 7 दिन बाद यूपी सरकार ने पहला एक्शन लिया। एसडीएम, सीओ समेत 6 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। सरकार ने एसआईटी की रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की। एसआईटी ने सोमवार रात सीएम योगी को 900 पेज की रिपोर्ट सौंपी थी। सरकार ने एसआईट रिपोर्ट में से 9 विशेष बातों का जिक्र करते हुए एक विज्ञप्ति जारी की, जिसमें कहीं भी भगोड़े भोले बाबा का नाम नहीं है। आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को लापरवाह बताया गया। इस तरह जिला प्रशासन के बाद सरकार से भी भोले बाबा को क्लीन चिट मिल गई है। जिन अफसरों को सस्पेंड किया गया, उनमें एसडीएम रविंद्र कुमार, सीओ आनंद कुमार के अलावा इंस्पेक्टर आशीष कुमार, तहसीलदार सुशील कुमार और चौकी इंचार्ज कचौरा मनवीर सिंह और पारा चौकी इंचार्ज बृजेश पांडे शामिल हैं।

उधर, सुप्रीम कोर्ट ने हाथरस भगदड़ मामले की जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की तारीख दे दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि उन्होंने सोमवार को याचिका को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए।

150 लोगों के बयान दर्ज किए

एसआईटी ने रिपोर्ट में कहा- हादसे में साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसकी गहनता से जांच जरूरी है। हादसा आयोजकों की लापरवाही से हुआ। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया। वरिष्ठ अफसरों को इसकी जानकारी तक नहीं दी गई। भीड़ के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए। आयोजकों ने बिना पुलिस वैरिफिकेशन जिन लोगों को अपने साथ जोड़ा, उनसे अव्यवस्था फैली है। जांच के दौरान 150 अफसरों, कर्मचारी और पीडित परिवारों के बयान दर्ज किए।

तथ्यों को छिपाकर कार्यक्रम की अनुमति ली

एसआईटी ने कहा- एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, इंस्पेक्टर, चौकी इंचार्ज ने अपनी जिम्मेदारी में लापरवाही की। एसडीएम ने बिना कार्यक्रम स्थल का मुआयना किए अनुमति दी। सीनियर अफसरों को भी जानकारी नहीं दी। घटनास्थल पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी नहीं थी। रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई कि भोले बाबा के कार्यक्रम के आयोजकों ने तथ्यों को छिपाकर कार्यक्रम की अनुमति ली। आयोजकों ने पुलिस के साथ दुव्र्यवहार किया। पुलिस को कार्यक्रम स्थल पर निरीक्षण से रोकने का प्रयास किया। हादसे के बाद आयोजक मंडल के सदस्य घटनास्थल से भाग गए।

केस की तीन लेवल पर जांच

2 जुलाई को हाथरस के सिकंदराराऊ के फुलरई मुगलगढ़ी गांव में हुई भगदड़ में 123 लोगों की मौत हुई है। इनमें 113 महिलाएं और 7 बच्चियां हैं। इस केस की तीन लेवल पर जांच हो रही है। पहली रिपोर्ट एसडीएम ने हादसे के 24 घंटे बाद प्रशासन को सौंपी थी। इसमें हादसे के लिए आयोजकों को जिम्मेदार बताया था। दूसरी रिपोर्ट सोमवार को एसआईटी ने योगी सरकार को सौंपी। इसके अलावा न्यायिक जांच आयोग का भी गठन किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बृजेश कुमार श्रीवास्तव आयोग के अध्यक्ष हैं। आयोग 2 महीने में जांच पूरी कर रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा।

जन हितैषी

बारिश के पानी को बचाने के लिए करने होंगे नए उपाय

भारत में बारिश के 8 फ़ीसदी पानी को ही हम संचित कर पाते हैं। शेष पानी नदियों से बहते हुए समुद्र में चला जाता है। बारिश के पानी का हम संचयन कर सकें, तो काफी हद तक जल संकट से निपटा जा सकता है। छोटी-छोटी योजना बनाकर बेहतर तरीके से पेयजल और भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में बेहतर उपाय करने होंगे। हमें बारिश के पानी की बहुत अधिक जरूरत है। भारत में भूमिगत जल स्तर बड़ी तेजी के साथ गिर रहा है। खेती किसानी के काम में भी भूमिगत जल स्तर का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण साल दर साल जल स्तर गिरता ही जा रहा है। भारत की बहुत बड़ी आबादी पेय जल संकट से 1 माह से लेकर 3 माह तक जूझती रहती है। पानी के कारण कई हिस्सों से पलायन होता है। देश में पिछले 75 सालों से पानी को लेकर हम कई अभियान संचालित कर रहे हैं। उसके बाद भी केवल 8 फीसदी बारिश का जल ही हम बचाने में सफल हो पा रहे हैं। यह बड़ी चिंता का विषय है। 1947 में भारत में 6042 क्यूबिक मीटर पानी की उपलब्धता थी। जो 2021 में घटकर 1486 रह गई है। पर्यावरण विद् ज्ञानेंद्र रावत के अनुसार भारत में हर व्यक्ति को रोजाना लगभग 150 लीटर पानी की जरूरत होती है। लापरवाही के कारण 45 लीटर पानी रोजाना बर्बाद कर दिया जाता है। भारत सरकार अभी भी शुद्ध पेयजल अपने नागरिकों को उपलब्ध नहीं कर पा रही है। प्राकृतिक जल स्त्रोतों के ऊपर भारत सरकार का ध्यान नहीं है, जैसा होना चाहिए। देश के अधिकांश जल स्त्रोत इस समय संकट में है। कुआं, तालाब और पोखरों का रख-रखाव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण बारिश के जल का जो संग्रहण प्राकृतिक रूप से होता था वह भी अब नहीं हो पा रहा है। अधिकतर जलाशयों का उपयोग मछली पालन और खेती किसानी के लिए होने लगा है। भूमिगत जल स्तर बहुत नीचे चले जाने से कुआं और नलकूप खनन के जरिए जो पानी पेयजल एवं अन्य कामों के लिए उपलब्ध होता था, वह भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हैंड पंप 4 से 5 महीने ही पानी दे पा रहे हैं। सरकार के साथ-साथ स्थानीय संस्थाओं, सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों में हम प्राकृतिक जल संसाधनों का अत्याधिक दोहन तो कर लेते हैं। प्राकृतिक जल के रखरखाव और जल संग्रहण को लेकर जो काम हमें करने चाहिए, वह नहीं कर रहे हैं। वर्तमान में जो जल स्त्रोत हैं। उनके आसपास मिट्टी का जमा हो जाना। समय-समय पर उनकी सफाई नहीं होना, बढ़ते जल संकट का बड़ा कारण है। भारत में हर साल बारिश के समय देश के अधिकांश राज्यों में बाढ़ की समस्या होती है। बारिश का जल हम बह जाने देते हैं। बाढ़ के समय नदियों और नालों का जल स्तर काफी ऊंचाई पर पहुंच जाता है। बारिश के पानी को संग्रहित करने की कोई योजना बनाएं। बाढ़ के पानी को भी बड़ी मात्रा में निचले क्षेत्रों में आसानी से संग्रहित किया जा सकता है। इस दिशा में अभी तक कोई काम भारत में नहीं हुआ है। दुनिया के सभी देशों में पेयजल संकट देखने को मिल रहा है। भारत जैसे देश में जहां पेयजल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। अब भारत में भी पानी को खरीदकर पीना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ समय-समय पर चेतावनी दे रहा है। पूरी दुनिया के 270 करोड लोग अभी भी जल संकट से प्रभावित हैं। इतनी बड़ी आबादी को पीने के लिए शुद्ध जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जल संकट के कारण अब युद्ध तक की बात होने लगी है। भारत में बारिश के पानी को बचाने के लिए छोटी छोटी योजनाएं बनानी पड़ेंगी। मानसून के समय बाढ़ के पानी को उन निचले क्षेत्रों में ले जाकर संग्रहित कर सकें जहां इनकी जरूरत है। बिहार जैसे राज्य जहां हर साल बारिश में बाढ़ आती है। उस समय जल काफी ऊंचाई के स्तर पर रहता है। छोटे-छोटे कटाव करके पानी निचले क्षेत्रों में आसानी के साथ तेज बहाव में भेजा जा सकता है। बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित होता है। उसके बाद साल भर जल संकट का भी सामना उन्हीं क्षेत्रों को करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार और राज्य सरकारों को गंभीर चिंतन करना होगा। जहां पर आबादी है उन क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा बारिश के पानी को बचाने का प्रबंध करना चाहिए। जिससे भूमिगत जल स्तर बेहतर हो। साथ ही पेयजल के साथ-साथ जानवरों, पशु पक्षियों और खेती के लिए पर्याप्त मात्रा में लंबे समय तक जल उपलब्ध हो सके। हम बारिश के पानी का पांच फीसदी और ज्यादा बचा पाए, तो बहुत सारी समस्याओं का हल बारिश के पानी से हो जाएगा। इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था

हिंदू सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी।

एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है।

कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाय तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे। साथ ही, चीन के शांघाई, शांटोयु, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी जमीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरुक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं।

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) का आशय उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह लक्ष्य विभिन्न पदार्थों के उपयोग को उच्चत्तम स्तर पर ले जाकर एवं इन पदार्थों की बर्बादी को रोककर हासिल किए जाने का प्रयास किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों के अति-उपयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उत्पादों एवं विभिन्न पदार्थों के उपयोग को कम करना, इनका पुनः उपयोग करना तथा विनिर्माण इकाईयों द्वारा इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाना, जिससे कच्चे माल, ऊर्जा एवं पानी का कम प्रयोग हो सके, आदि उपाय भी शामिल हैं। उत्पादों को यदि रिपेयर कर पुनः उपयोग किया जा सकता है तो यह आदत भी विकसित की जानी चाहिए, इससे उस उत्पाद के कुल जीवन साइकल को बढ़ाया जा सकता है एवं उसके स्थान पर नए उत्पाद की आवश्यकता को कम किया जा सकता है। क्षतिग्रस्त अथवा खराब हुए उत्पाद को पुनरुपयोग योग्य बनाए जाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। उचित वेस्ट मेनेजमेंट को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कुल मिलाकर प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा। आजकल 7 आर ओफ सर्क्यूलर इकॉनामी को भी इस संदर्भ में अपनाने पर विचार किया जा रहा है - रिडयूस (ॅल्म -उत्पादों का उपयोग कम करें) , रीयूज (ॅले - उत्पादों का पुनः उपयोग करें), रीसाइकल (ॅम्ब्त -बर्बाद हुए उत्पादों को रीसाइकल करें), रीडिजाइन (ॅगुह -उत्पादों की इस प्रकार डिजाइन विकसित करें कि कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा का कम उपयोग हो), रीपेयर (ॅर्उि -उत्पाद की मरम्मत कर पुनः उपयोग करने लायक बनाएं), रिन्यू (ॅहौ -खराब हुए उत्पाद को ठीक कर उसका पुनः उपयोग करना), रिकवर (ॅम्दनी -खराब हुए उत्पाद के कुछ पार्ट्स का पुनः उपयोग करना), रीथिंक (ॅूप्ह० -नए प्रॉसेस के नवीकरण बारे में विचार करना), रिपर्पस (ॅल्ल्ज्दो), रिमैन्यूफेक्चर (ॅर्स्हिर्ल्मूलि) आदि उपाय भी सर्क्यूलर इकॉनामी के अंतर्गत किए जाते हैं।

अतः कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि समस्त देश मिलकर इस बात पर गम्भीरता से विचार करें कि इस धरा को शोषित होने से कैसे बचाया जाय। इसके लिए आज इस धरा से लिए जाने वाले पदार्थों के उपयोग पर न केवल अंकुश लगाने की आवश्यकता है अपितु इन पदार्थों के पुनः उपयोग करने की विधियों को विकसित करने की भी महती आवश्यकता है। जैसे जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत वैकल्पिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के उपयोग का विस्तार करना भी शामिल है। भारत, परिवहन, औद्योगिक प्रक्रियाओं, प्राथमिकता भवनों सहित, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता उपायों को प्राथमिकता दे रहा है। इसमें ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुकूलन करना और मजबूत ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना शामिल हैं। साथ ही जीवाश्म तेल में ईथेनाल का सम्मिश्रण भी किया जा रहा है ताकि पेट्रोल एवं डीजल के उपयोग को कम किया जा सके। आज समय की मांग है कि विश्व के समस्त देश ऊर्जा सम्मिश्रण के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करें। भारत ने सुझाव दिया है कि पेट्रोल में ईथेनाल सम्मिश्रण को वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, अथवा वैश्विक भलाई के लिए कोई और सम्मिश्रण पदार्थ की खोज की जाए, जिससे ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

भारत ने उत्सर्जन वृद्धि को कम करने के उद्देश्य से बहुत पहले (2 अक्टोबर 2015 को) ही अपने लिए कई लक्ष्य तय कर लिए थे। इनमें शामिल हैं, वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 30 से 35 प्रतिशत तक कम करना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 45 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है), गैर-जीवाश्म आधारित ऊर्जा के उत्पादन के स्तर को 40 प्रतिशत तक पहुंचाना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 50 प्रतिशत तक बढ़ा लिया है) और वातावरण में कार्बन उत्पादन को कम करना, इसके लिए अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण का निर्माण करना, आदि। इन संदर्भों में अन्य कई देशों द्वारा अभी तक किए गए काम को देखने के बाद यह पाया गया है कि जी-20 देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो पेरिस समझौते के अंतर्गत तय किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करता दिख रहा है। जी-20 वो देश हैं जो पूरे विश्व में वातावरण में 70 से 80 प्रतिशत तक उत्सर्जन फैलाते हैं। जबकि भारत आज इस क्षेत्र में काफी आगे निकल आया है एवं इस संदर्भ में पूरे विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 550 उें सौर ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर जमीन को दोबारा खेती लायक उपजाऊ बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। साथ ही, भारत ने इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर संधि करते हुए 88 देशों का एक समूह बनाया है ताकि इन देशों के बीच तकनीक का आदान प्रदान आसानी से किया जा सके।(सर्कुलर इकॉनामी) की आवश्यकता क्यों?(लेखक-प्रहलाद सबनानी/ ईएमएस)

भारतीय सांख्यिकी के प्रणेता प्रशांत चंद्र

किसी देश की सांख्यिकी प्रणाली उसके दर्पण के रूप में कार्य करती है। यह आंकड़े तैयार करता है जो पर्यवेक्षकों को यह देखने की अनुमति देता है कि कोई देश प्रति व्यक्ति आय, मुद्रास्फीति, गरीबी, जीवन प्रत्याशा और स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों जैसे प्रमुख सामाजिक-आर्थिक मानकों पर कितना अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।भारत में सांख्यिकी प्रणाली का विकास प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा किया गया थाप्रशांत चंद्र महालनोबिस का जन्म कोलकाता स्थित उनके पैतृक निवास में 29 जून, 1893 को हुआ था। उनके दादा गुरचरण ने सन 1854 में बिक्रमपुर (अब बांग्लादेश) से कोलकाता आकर अपना व्यवसाय स्थापित किया था। उनके पिता प्रबोध चंद्र महालनोबिस साधारण ब्रह्मो समाज के सक्रिय सदस्य थे और उनकी माता निरोदबसिनी बंगाल के एक पढ़े-लिखे कुल से सम्बन्ध रखती थीं। प्रशांत का बचपन विद्वानों और सुधारकों के सान्निध्य में गुजरा और उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा उनके दादा द्वारा स्थापित ब्रह्मो ब्वायज स्कूल में हुई। उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा भी इसी विद्यालय से सन 1908 में पास की। इसके बाद उन्होंने सन 1912 में प्रेसीडेंसी कालेज से भौतिकी विषय में आनर्स किया और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए लंदन चले गए। प्रेसीडेंसी कॉलेज में जगदीश चन्द्र बोस, सारदा प्रसन्न दास और प्रफुल्ल चन्द्र रॉय जैसे शिक्षकों ने उन्हें पढाया। मेघनाद साहा उनसे एक कक्षा जूनियर थे तथा सुभाष चन्द्र बोस 2 कक्षा जूनियर। लन्दन जाकर उन्होंने कैंब्रिज में दाखिला लिया और भौतिकी और गणित दोनों विषयों से डिग्री हासिल की। कैंब्रिज में इनकी मुलाकात महान भारतीय गणितग्य श्रीनिवास रामानुजन से हुई। फिजिक्स में अपना ट्रीपोस करने के बाद उन्होंने कवेंडिश प्रयोगशाला में टी.आर. विल्सन के साथ कार्य किया। उसके बाद ये कुछ समय के लिए कोलकाता लौट आए जहाँ उनकी मुलाकात प्रेसीडेंसी कॉलेज के प्रिंसिपल से हुई जिन्होंने उन्हें वहाँ पर भौतिकी पढ़ने का आमंत्रण दिया। कुछ समय बाद प्रशांत इंग्लैंड वापस चले गए जहाँ किसी ने उनको बायोमेट्रिका पढने के लिए कहा। यह एक सांख्यिकी जर्नल था। उन्हें इसे पढ़कर इतना आनंद आया कि उन्होंने इसका एक सेट ही खरीद लिया और अपने साथ भारत ले गए। बायोमेट्रिका पढने के बाद उन्हें मानव-शास्त्र और मौसमविज्ञान जैसे विषयों में सांख्यिकी की उपयोगिता का ज्ञान हुआ और उन्होंने भारत लौटते वक़्त ही इस पर काम करना प्रारंभ कर दिया। कोलकाता में प्रशांत चन्द्र महालनोबिस की मुलाकात निर्मला कुमारी से हुई जो हेरम्भाचंद्र मित्रा की पुत्री थीं। हेरम्भाचंद्र एक अग्रणी शिक्षाविद और ब्राह्मो समाज के सदस्य थे। 27 फरवरी 1923 को दोनों ने हेरम्भाचंद्र की मर्जी के विरुद्ध विवाह कर लिया। प्रशांत के मामा सर नीलरतन सरकार ने कन्या के पिता का रस्म अदा किया। भारतीय सांख्यिकी संस्थान प्रशांत चन्द्र महालनोबिस के कई सहयोगियों ने सांख्यिकी में दिलचस्पी लेना प्रारंभ किया और धीरे-धीरे ये समूह बढ़ता ही गया। ये सभी लोग प्रशांत के प्रेसीडेंसी कॉलेज कमरे में इकट्ठे होते थे। 17 दिसम्बर 1931 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना हुई और 28 अप्रैल 1932 को औपचारिक तौर पर पंजीकरण करा लिया गया। प्रारंभ में संस्थान प्रेसीडेंसी कॉलेज के भौतिकी विभाग से चलाया गया पर धीरे-धीरे इसके सदस्यों ने जैसे-जैसे इस दिशा में काम किया वैसे-वैसे संस्थान भी बढ़ता गया। बायोमेट्रिका के तर्ज पर सन 1933 में संस्थान के जर्नल संख्या की स्थापना हुई। सन 1938 में संस्थान का प्रशिक्षण प्रभाग स्थापित किया गया। सन 1959 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान को राष्ट्रिय महत्त्व का संस्थान घोषित किया गया और इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। कोलकाता के अलावा भारतीय सांख्यिकी संस्थान की शाखाएँ दिल्ली, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे, कोयंबटूर, चेन्नई, गिरिडीह सहित भारत के दस स्थानों में हैं। इसका मुख्यालय कोलकाता में है जहाँ मुख्य रूप से सांख्यिकी की पढ़ाई होती है। सांख्यिकी में योगदान आचार्य ब्रजेन्द्रनाथ सील के निर्देशन में प्रशांत चन्द्र महालनोबिस ने सांख्यिकी पर काम करना शुरु किया और इस दिशा में जो सबसे पहला काम उन्होंने किया, वह था कालेज के परीक्षा परिणामों का विश्लेषण। इस काम में उन्हें काफ़ी सफलता मिली। इसके बाद महालनोबिस ने कोलकाता के ऐंग्लो-इंडियंस के बारे में एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण किया। यह विश्लेषण और इसका परिणाम भारत में सांख्यिकी का पहला शोध-पत्र कहा जा सकता है। महालनोबिस का सबसे बड़ा योगदान उनके द्वारा शुरु किया गया सैंपल सर्वे की संकल्पना है। इसके आधार पर आज के युग में बड़ी-बड़ी नीतियाँ और योजनाएँ बनाई जा रही हैं। महालनोबिस की प्रसिद्धि महालनोबिस दूरी के कारण भी है जो उनके द्वारा सुझाया गयी एक सांख्यिकीय माप है। सम्मान एवं पुरस्कार सन 1944 में उन्हें वेलडन मेडल पुरस्कार दिया गया सन 1945 में लन्दन की रायल सोसायटी ने उन्हें अपना फेलो नियुक्त किया सन 1950 में उन्हें इंडियन साइंस कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया अमेरिका के एकोनोमेट्रिक सोसाइटी का फेल्लो नियुक्त किया गया सन 1952 में पाकिस्तान सांख्यिकी संस्थान का फेलो रॉयल स्टैटिस्टिकल सोसाइटी का मानद फेलो नियुक्त किया गया (1954) सन 1957 में उन्हें देवी प्रसाद सर्वाधिकार स्वर्ण पदक दिया गया सन 19 59 में उन्हें किंग्स कॉलेज का मानद फेलो नियुक्त किया गया 1957 में अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान का ऑनररी अध्यक्ष बनाया गया नका जन्मदिन, 29 जून, हर वर्ष भारत में सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है सन 1968 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म विभूषण से सम्मानित किया सन 1968 में उन्हें श्रीनिवास रामानुजम स्वर्ण पदक दिया गया निधन प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस एक दूरद्रष्टा थे। 28 जून, 1972 को उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने सांख्यिकी का प्रयोग आम लोगों की भलाई के कार्यों के लिए किया। उन्होंने कभी भी कोई पद आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया क्योंकि उन्हें विज्ञान में ब्यूरोक्रेसी की दखलअंदाजी पसंद नहीं थी। वे भारतीय सांख्यिकी संस्थान को सदैव एक स्वतंत्र संस्था के रूप में देखना चाहते थे। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8063

बाएँ से दाएँ

1.ईश वंदना-3
3.हाथ की तीसरी अंगुली-4
5.आगमन-2
6.स्वादिष्ट-3
7.हरसिंगार,पारिजात-2
8.क्रिकेट में बनते हैं-2
10.खौलना,उबलना-5
12.धनवान-3
15.खोदना-3
17.चुनाव,चयन-5
20.नसीब(अंग्रेजी-2)
22.कलर-2
23.रक्षक,संकटमोचक-3
24.कार्य,काज-2
25.सुंघनी,नस-4
26.पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1.रुपए का सोलहवां भाग-2
2.कुलबुलाना,तड़पना-5
3.जो कभी बूढ़ा न हो-3
4.बंदूक की गोली-4
5.अभिलेख,लेख-3
7.रात,रात्रि (उर्दू-2)
9.मादा का विलोम-2
11.धुन,लगाव-3
13.चरित्र,नीयत-3
14.तफरीह-5
15.अनाज रखने की जगह-4
16.टोंटी,नलका-2
18.बहुमूल्य रत्न-2
19.अनाथ,बेसहारा-3
21.डोली उठाने वाले-3
24.सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8062 का हल

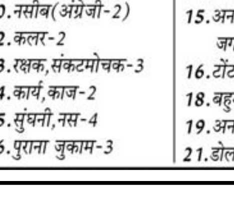

Jagrutidaur.com, Bangalore

उत्तराखंड की बेटी डॉ कल्पना सैनी ब्राजील में बनी देश की आवाज!

-महिला सरोकारों पर दिया दुनिया के देशों को संदेश

उत्तराखंड से राज्य सभा सांसद डॉ कल्पना सैनी को एक अन्य महिला सांसद संगीता यादव के साथ ब्राजील में हुई महिला सांसदों पहली बैठक पी-20 में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है।डॉ कल्पना सैनी इंजीनियर नगरी रुड़की से है और उत्तर प्रदेश में मंत्री रहे डॉ पृथ्वी सिंह विकसित की बेटी होने के साथ साथ शिक्षाविद भी है।विगत 30 जून से 2 जुलाई तक ब्राजील के मैसियो में महिला सांसदों की पहली पी-20 बैठक में उन्होंने भाग लेते हुए भारतीय महिलाओं से जुड़े सरोकारों पर खुलकर बातचीत की।दुनियाभर की महिला सांसदों की पी-20 बैठक, का विषय था ''एक न्यायपूर्ण विश्व और एक सतत ग्रह का निर्माण'', ब्राजील और विदेशी नेताओं के बीच जी-20 शिखर सम्मेलन के तीन मुख्य विषयों पर बहस और आदान-प्रदान के लिए यह महिला सांसदों की बैठक समर्पित थी।इस बैठक में जलवायु परिवर्तन और सतत विकास, सामाजिक समावेशन और भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई तथा वैश्विक संस्थानों में सुधार के विषय शामिल किये गए।महिलाओं और बालिकाओं के लिए जलवायु न्याय और सतत विकास को बढ़ावा देने पर प्रथम कार्य सत्र में बोलते हुए भारत की राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी ने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन सीमाओं से परे सभी देशों को प्रभावित करता है, हालांकि यह प्रभाव विभिन्न सामाजिक वर्गों में अलग-अलग रूप से महसूस किया जाता है, जिसके लिए जलवायु न्याय और वैश्विक शमन उपायों के कार्यान्वयन की तत्काल आवश्यकता है।उनके भाषण का मुख्य विषय महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की आवश्यकता रहा,ताकि अधिक समावेशी जलवायु समाधान तैयार किए जा सकें। उन्होंने प्रकृति के साथ स्थिरता और सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा की गई कई प्रमुख पहलों पर भी दुनिया की महिला सांसदों का ध्यान केंद्रित किया। इनमें भारत के नेतृत्व वाले मिशन लाइफ पर विशेष ध्यान दिया गया, जो लोगों के ग्रह-समृद्धि के दर्शन को दर्शाता है।भारत सरकार की प्रमुख लिंग-संवेदनशील नीतियों जैसे कि महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल का भी बैठक में विशेष उल्लेख किया गया।राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना, तथा जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष जैसी कई राष्ट्रीय कार्य योजनाओं पर भी डॉ कल्पना सैनी द्वारा प्रकाश डाला गया।उन्होंने माना कि लैंगिक समावेशिता के साथ-साथ पारिस्थितिक स्थिरता के प्रति उक्त उपलब्धियो के चलते भारत की प्रतिबद्धता सिद्ध होती है।

डॉ. कल्पना सैनी ने जल जीवन मिशन और मनरेगा जैसी अग्रणी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लैंगिक असमानताएं वैश्विक स्तर पर मौजूद हैं और यह समय की मांग है कि जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्याएं मौजूदा हाशिए पर पड़े लोगों की परेशानी को और न बढ़ाएं।

उन्होंने अपने भाषण का समापन यह कहते हुए किया कि जलवायु नीति जो सतत विकास को बढ़ावा देना चाहती है, वह प्रकृति में समावेशी होनी चाहिए। भारत, अपने हिस्से के लिए, यह मानता है कि जलवायु न्याय केवल तभी सुनिश्चित किया जा सकता है जब महिलाएँ वैश्विक नीतियों के निर्माण का हिस्सा हों। जलवायु कार्रवाई में महिलाओं का सशक्तिकरण और समावेश समय की मांग भी है।पी-20 के सत्रों के बाद, भारतीय प्रतिनिधिमंडल की महिला सांसद डॉ कल्पना सैनी व संगीता यादव ने संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस सदस्य यंग किम और कांग्रेस सदस्य सिडनी कामलागर-डोव शामिल रहे।इस द्विपक्षीय चर्चा में भारत-अमेरिका के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों और महिलाओं, बच्चों और शिक्षा जैसे सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया।अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी इस चर्चा को वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर केंद्रित कर दिया, जिस पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में सरकार की कई प्रमुख योजनाओं का उल्लेख करते हुए सकारात्मक परिणामो से उन्हें अवगत कराया।अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अपने उपराष्ट्रपति की जातीय उत्पत्ति का विशेष उल्लेख किया तथा बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने देश में भारतीय संस्कृति की जीवंतता को उजागर किया है।भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के सतत एजेंडे के मुख्य क्षेत्रों जैसे वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा, सतत खेती और पर्यावरण एवं जलवायु के क्षेत्रों में जलवायु न्याय और लैंगिक समावेशिता की आवश्यकता का उल्लेख भी किया।महिला संसद सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि वे सभी महिलाओं के लिए न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज बनाने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे,ताकि नारी शक्ति की प्रतीक आधी दुनिया भी सिर उठाकर जी सके। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक सामाजिक सरोकारों से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार है)

खेल - समाचार

सिंधु पेरिस ओलंपिक में होंगी भारत की महिला ध्वजवाहक , नारंग शेफ-डी-मिशन बने

नई दिल्ली (ईएमएस)। महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु टेबल को पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय टीम की महिला ध्वजवाहक बनाया गया है। वहीं पुरुष वर्ग से टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरथ कमल को ध्वजवाहक बनाया गया था। ऐसे में अब सिंधु पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह में शरथ कमल के साथ भारतीय ध्वज उठासे नजर आयेंगी। वहीं इससे पहले गगन नारंग को भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन के रूप में एमसी मैरी कॉम की जगह रखा गया है। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि सिंधु, शरथ कमल के साथ उद्घाटन समारोह में महिला ध्वजवाहक होंगी। सिंधु को रियो 2016 ओलंपिक में स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ मिली हार के बाद रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा था। शोपीस इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गईं।

सिंधु ने साल 2019 में फिर से एक नया रिकार्ड बनाया। तब उन्होंने विश्व चैंपियनशिप जीती थी। उन्होंने इसके साथ ही ओलंपिक विजेता झांग निंग के 5 पदक के रिकॉर्ड की भी बराबरी की थी। उषा ने कहा कि मैरी कॉम के इस्तीफे के बाद 41 वर्षीय गगन नारंग को डिप्टी शेफ-डी-मिशन के पद से पदोन्नत कर शेफ-डी-मिशन बनाना स्वाभाविक था।

बुमराह, मंधाना बने जून महीने के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार पुरुष वर्ग में भारत के के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जबकि महिला वर्ग में भी भारत की ही बल्लेबाज स्मृति मंधाना को दिया है।

बुमराह ने टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं मंधाना को यह पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शानदार बल्लेबाजी कर दो शतक लगाने के लिए दिया गया है। बुमराह ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को पीछे छोड़ा जबकि मंधाना ने इंग्लैंड की माइया बाउचर और श्रीलंका की विस्मी गुणारत्ने को पीछे छोड़कर ये पुरस्कार जीता है। आईसीसी ने कहा टी-20 विश्व कप में 15 विकेट लेने के कारण बुमराह को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया है।

दूसरी ओर महिला वर्ग में मंधाना ने बेंगलुरु में पहले एकदिवसीय में 117 रन बनाये थे। उनके शतक से भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने दूसरे मैच में 120 गेंद में 136 रन की आक्रामक पारी खेली। वह तीसरे मैच में हालांकि 90 रन पर आउट हो गयी पर उसने तीन मैच में सबसे अधिक 343 रन बनाये। बुमराह और मंधाना ने ये पुरस्कार जीतने पर खुशी जतायी है।

विम्बलडन टेनिस : फ्रिट्ज ने ज्वेरेव को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

लंदन (ईएमएस)। अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। फ्रिट्ज यहां पुरुष एकल में दो बार के ग्रैंडस्लैम उपविजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-7, 6-4, 7-6, 6-3 से हराया। अब उनका मुकाबला क्वार्टफाइनल में 25वीं वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेत्ती से होगा। लोरेंजो पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। अंतिम आठ में पहुंचे हैं।

इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनौर भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। यहां उनका सामना सात बार के विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच से होगा। जोकोविच ने एक अन्य मुकाबले में होल्गर रूने को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। वहीं महिला वर्ग में इटली की जैसमीन पाओलिनी ने जियोवान्नि एम पेरिकार्ड को 4-6, 6-3, 6-3, 6-2 से हराया। वहीं एलेना रिबाकिना बिना खेले ही अगले दौर में पहुंच गई क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी अन्ना कालिंस्काया कलाई की चोट के कारण मुकाबले से हट गयीं थीं। अब उनका सामना एलिना स्वितोलिना से होगा जिन्होंने वांग शिन्यु को 6-2, 6-1 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में बारबरा क्रेइसिकोवा ने डेनियेले कोलिंगस को 7-5, 6-3 से पराजित किया।

शुभमन के लिए तीसरे टी20 की टीम का चयन हुआ मुश्किल सैमसन, शिवम और यशस्वी को शामिल करने का दबाव

हरारे (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम की जिम्बाब्वे दौरे में कप्तानी कर रहे शुभमन गिल के लिए टीम चयन मुश्किल होता जा रहा है। शुभमन को शुरुआती दो मैच के बाद ही टीम में बदलाव करना पड़ रहा है क्योंकि तीन और खिलाड़ी संजू सैमसन शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल टीम से जुड़ गये हैं। ऐसे में इन्हें जगह देने के लिए शुभगन को जिम्बाब्वे के खिलाफ बुधवार को होने वाले तीसरे टी20 मैच में 2 या 3 खिलाड़ियों को बाहर करना होगा। सैमसन, यशस्वी और शिवम को टी20 विश्वकप में भी अवसर नहीं मिला था। ऐसे में प्रबंधन पर भी उन्हें अवसर देने का दबाव रहेगा।

ये तीनो ही खिलाड़ी दूसरे टी20 के बाद यहां पहुंचे हैं। इन तीनों को तीसरे टी20 मैच से ही खेलना है, ऐसे में इन्हें जगह देने शुभमन को या तो अब अपनी विजेता टीम से कम से कम तीन खिलाड़ियों को बाहर करना होगा या फिर सैमसन, यशस्वी और शिवम को बैठाना होगा। ऐसे में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को ध्रुव जुरेल की जगह जबकि शिवम दुबे को साई सुदर्शन की जगह अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है पर यशस्वी जायसवाल के लिए शीर्ष क्रम से किसे बिठाया जाये ये तय करना शुभमन के लिए सबसे कठिन होगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ इस सीरीज में अब तक शुभमन और अभिषेक शर्मा ने पारी की शुरुआत की है। अभिषेक ने दूसरे मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया था जबकि तीसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ ने भी 77 रनों की पारी खेली थी। ऐसे में इन तीनों का ही तीसरे टी20 मैच में खेलना तय है। इन हालातों में यशस्वी जायसवाल को जगद देने के लिए रियान पराग को अंतिम ग्यारह से बाहर बैठना पड़ सकता है।

संभावित अंतिम ग्याहर खिलाड़ी इस प्रकार हैं: शुभमन गिल (कप्तान), अभिषेक शर्मा, यशस्वी जायसवाल,ऋतुराज गायवककवाड़, शिवम दुबे, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान और मुकेश कुमार।

श्रीलंका दौरे में कौन होगा भारतीय एकदिवसीय टीम का कप्तान !

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के इसी माह के अंत में होने वाले श्रीलंका दौरे में टी20 टीम की कप्तानी हार्दिक पंडया को मिलना तय है। इसका कारण ये है कि अभी हार्दिक उपकप्तान हैं और कप्तानी की दौड में वह अन्य दावेदारों ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह आदि से कहीं आगे हैं। टी20 विश्वकप में भी वह उपकप्तान रहे थे। वही इस दौरे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कौन कप्तान करेगा। ये सवाल सबसे अहम है।

भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेलेगी। इसमें कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के बाहर रहने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो चयनकर्ताओं के लिए नये कप्तान का चयन आसान नहीं होगा। इसका कारण है इसके लिए कई दावेदार हैं। वहीं बोर्ड भी एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तान बनाने के पक्ष में रहेगा जो 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा सके। रोहित के अगले विश्वकप में खेलने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में बोर्ड किसी ऐसे खिलाड़ी को कप्तान बनाना चाहेगा जो लंबे समय तक ये जिम्मेदारी संभाल सके। इन हालातें में उस खिलाड़ी को कप्तान बनाया जाएगा जो एकदिवसीय के साथ ही टेस्ट भी खेलता हो। वहीं हार्दिक टेस्ट नहीं खेलते। ऐसे में पंडया की जगह किसी और को कप्तानी मिल सकती है। इसके लिए देखा जाये तो ऋषभ और केएल राहुल दौड़ में हैं।

स्विटजरलैंड रवाना हुई भारतीय पुरुष हॉकी टीम

बेंगलुरू (ईएमएस)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम स्विटजरलैंड रवाना हो गयी है। यहां वह साहिसिक गतिविधियों के केन्द्र माइक हार्न्स बेस जाएगी। माइक हार्न्स बेस में होने वाले तीन दिन के शिविर में खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद टीम नीदरलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी और इसके बाद पेरिस ओलंपिक के लिए रवाना होगी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि ओलंपिक से पहले के ये दौरे टीम को मानसिक और शारीरिक रूप से बेहतर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने अभी बेंगलुरू में 2 सप्ताह के एक अभ्यास शिविर में भी भाग लिया जिससे खिलाड़ियों को लय हासिल हुई है। वहीं अब माइक बेस में साहसिक गतिविधियों के जरिये खिलाड़ियों को मानसिक रुप से मजबूत बनाया जाएगा। इसके बाद टीम नीदरलैंड और मलेशिया से अभ्यास मैच भी खेलेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स अस्सी हजार, निफ्टी 24 हजार के ऊपर निकला

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वाहन और उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में आई तेजी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधरित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 391.26 अंक करीब 0.49 फीसदी बढ़कर 80,351.64 अंक के नए स्तर पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 112.65 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी ऊपर आया है। निफ्टी अंत में 24,433.20 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों मुख्य रूप से हाइब्रिड कार मेकर्स मारुति सुजुकी के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। मारुति के अलावा एमएंडएम , आईटीसी, टाइटन और सन फार्मा के शेयर भी सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, टीसीएस, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल के शेयर भी लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के 30 शेयरों में 12 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इनमें रिलायंस, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील और इंफोसिस के शेयर रहे। इसके अलावा, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 160 अंकों की बढ़त के साथ 80,107.21 पर खुला। जबकि एनएसई का निफ्टी-50 करीब 30 अंकों की बढ़त के साथ 24,351 पर खुला। शेयर बाजार खुलते ही मारुति सुजूकी के शेयरों ने 3 फीसदी से ज्यादा की सबसे तगड़ी बढ़त दर्ज की। टॉप गेनर्स की लिस्ट में मारुति सुजूकी के अलावा, लॉर्सन एंड टुब्रो, इंडसंड बैंक, यूटीसी, एसबीआईएन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस जैसे शेयर रहे। वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा-0.43 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

दूसरी ओर दूनिया भर बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो और शंघाई ऊपर आये हैं जबकि हांगकांग का बाजार नीचे आया है। इसके अलावा यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट पर कारोबार करते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलिया के एएसएक्स 200 में 0.60 फीसदी की तेजी देखी गई। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में मामूली बढ़त के साथ नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ, जबकि नेस्डेक 0.3 फीसदी चढ़ा। इसके विपरीत, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.1 फीसदी की गिरावट देखी गई। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 60.98 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

मुंबई में सीएनजी-पीएनजी की कीमतें बढ़ीं

मुंबई (ईएमएस)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गाड़ी चलाना और खाना पकाना महंगा हो गया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी और घरेलू पाइपलाइन गैस (पीएनजी) की कीमतें बढ़ा दी हैं। बढ़े हुए 9 जुलाई, से लागू हो गए हैं। दिल्ली के बाद मुंबई में सीएनजी के दाम 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़ गए हैं जबकि पाइप के जरिए रसोई में पहुंचने वाली गैस (पीएनजी) की कीमत एक रुपये बढ़ गई है। कंपनी ने कहा ?कि सीएनजी और पीएनजी की बढ़ती मात्रा को पूरा करने और घरेलू गैस आवंटन में कमी के कारण, एमजीएल अतिरिक्त बाजार मूल्य पर प्राकृतिक गैस (आयातित एलएनजी) ले रही है। इसके चलते गैस की लागत बढ़ गई है। बयान के अनुसार, गैस लागत में वृद्धि को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए एमजीएल ने मुंबई और उसके आसपास सीएनजी की कीमत 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति मानक घन मीटर बढ़ा दी है। इस वृद्धि के बाद सीएनजी की संशोधित कीमत सभी टैक्स सहित 75 रुपये प्रति किलोग्राम होगी। वहीं मुंबई तथा उसके आसपास घरेलू पीएनजी की कीमत 48 रुपये प्रति एससीएम होगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों के लिए इंद्रप्रस्थ गैस ?लिमिटेड ने 22 जून को दिल्ली में सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाकर 75.09 रुपये कर दी थी। हालांकि, कंपनी ने पीएनजी के दाम संशोधित नहीं किए और यह 48.59 रुपये प्रति एससीएम पर बनी हुई है।

फ्रांस चुनाव में यूपी वाला खेला.......एंटी मुस्लिम पार्टी को रोकने विरोधी दल आए साथ

परिणाम के बाद अब सामने आने लगे दोनों के मनमुटाव

पेरिस (ईएमएस)। सात समंदर पार फ्रांस के संसदीय चुनाव की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। दरअसल फ्रांस में जीत की दहलीज पर खड़ी एक एंटी मुस्लिम पार्टी को रोकने के लिए विरोधी दलों ने गठबंधन कर एक झटके में पूरा खेल बिगड़ गया। ठीक कुछ ऐसा जैसा लोकसभा चुनाव में यूपी में देखा था। यहां बड़ी जीत हासिल करने की दहलीज पर खड़ी दक्षिणपंथी पार्टी भाजपा को रोकने के लिए चुनाव से ऐन पहले अखिलेश यादव और राहुल गांधी की पार्टियों के बीच गठबंधन हुआ था। फिर नतीजे चौंकाने वाले आए।

फ्रांस के संसदीय चुनाव के नतीजे काफी हद तक यूपी जैसे रहे। दरअसल, एक दिन पहले फ्रांस के चुनावी नतीजे आए थे। इसमें जीत की प्रबल दावेदार धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली 143 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर आ गई। जबकि केवल एक सप्ताह पहले उस पार्टी के 300 से अधिक सीटें जीतने का अनुमान जताया जा रहा था।

दरअलस, 30 जून (रविवार) को पहले चरण का चुनाव हुआ था। उस चुनाव में नेशनल रैली बड़ी जीत हासिल करने की ओर बढ़ रही थी। यह बढ़त देख उसके सभी विरोधी दल भयभीत हो गए। इसमें राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की पार्टी और वामपंथी दल थे। इसके बाद वामपंथी दल अपने सारे मतभेद भूलकर एक नया एंटी-नेशनल रैली गठबंधन बना लिया। फिर मैक्रों के समर्थक और वामपंथी भी अपने मतभेद भूला दिए। वे एकजुट होकर मैदान में उतरे। दूसरी ओर दक्षिणपंथी दल के उभार को रोकने के लिए बड़ी संख्या में लिबरल मतदाता वोट देने पहुंचे। फिर क्या था एक सप्ताह के भीतर पूरा खेल बिगड़ गया। नेशनल रैली के खिलाफ वोटर्स एकजुट हो गए।

एंटी मुस्लिम पार्टी नेशनल रैली को रोकने के लिए वामपंथी और मध्यमार्गी पार्टियों ने न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) बनाया था। इस एनएफपी को सबसे ज्यादा 182 सीटों मिली है। दूसरे नंबर पर मैक्रों का गठबंधन एनसेंबल अलायंस है जिसे 168 सीटें मिली हैं। तीसरे नंबर पर नेशनल रैली आ गई और केवल 143 सीटें मिली हैं। फ्रांस की नेशनल एसेंबली में 577 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी गठबंधन या पार्टी के पास कम से कम 289 सीटें चाहिए। उम्मीद की जा रही है कि एनएफपी और एनसेंबल अलांयस मिलकर सरकार बना लेंगी। लेकिन, इनके बीच भी कई मुद्दों पर मतभेद है। इसके बाद राष्ट्रपति मैक्रों के लिए अगले प्रधानमंत्री की नियुक्ति में समय लग सकता है। बताया जा रहा हैं ये दल नेशनल रैली के खिलाफ एकजुट हुए हैं, लेकिन उनके आपसी मतभेद भी इतने हैं कि देश में स्थायी सरकार की संभावना कमजोर होती दिख रही है।

फ्रांस में संसदीय चुनावः ले पेन और मैक्रॉन को झटका,वामपंथी गठबंधन ने बाजी मारी

पेरिस(ईएमएस)। रविवार को हुए फ्रांस संसदीय चुनाव के बाद फ्रांस को संभावित राजनीतिक गतिरोध का सामना करना पड़ा, किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला जिसके करके यहां त्रिशंकु संसद बनी, हालांकि सर्वेक्षणकर्ता वामपंथी गठबंधन 198 सीटों के साथ पहले स्थान पर रहा। लेकिन किसी भी समूह को बहुमत नहीं मिला।मतदाताओं ने मरीन ले पेन की राष्ट्रवादी, यूरोसेप्टिक नेशनल रैली के लिए एक बड़ा झटका दिया, जिसके बारे में जनमत सर्वेक्षणों ने भविष्यवाणी की थी कि वह दूसरे दौर के मतदान में जीत हासिल करेगी, लेकिन सर्वेक्षणकर्ताओं के अनुमान के अनुसार तीसरे स्थान पर रही।

नतीजे मध्यमार्गी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के लिए भी एक झटका था, जिन्होंने पिछले महीने यूरोपीय संसद चुनावों में आरएन के हाथों हार के बाद राजनीतिक परिदृश्य को स्पष्ट करने के लिए आकस्मिक चुनाव का आह्वान किया था। उनका अंत बेहद खंडित संसद के साथ हुआ, जिससे यूरोपीय संघ और विदेशों में फ्रांस की भूमिका कमजोर हो जाएगी और किसी के लिए भी घरेलू एजेंडे को आगे बढ़ाना मुश्किल हो जाएगा।

चुनाव से संसद तीन बड़े समूहों में विभाजित हो जाएगी - वामपंथी, मध्यमार्गी और धुर दक्षिणपंथी - जिनके मंच बेहद अलग होंगे और साथ मिलकर काम करने की कोई परंपरा नहीं होगी। वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन, जो ईंधन और भोजन जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को सीमित करना चाहता है, न्यूनतम वेतन को शुद्ध 1,600 यूरो (1,732 रु) प्रति माह तक बढ़ाना चाहता है, सार्वजनिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए वेतन बढ़ाना और संपत्ति कर लगाना चाहता है। कट्टर वामपंथी नेता जीन-ल्यूक मेलेनचॉन ने कहा, लोगों की इच्छा का सख्ती से सम्मान किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति को न्यू पॉपुलर फ्रंट को शासन करने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।

जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हरारे (ईएमएस)। दूसरे टी20 में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम अब यहां बुधवार को मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा के आतिशी शतक की सहायता से दूसरे टी20 में 234 रन बनाकर 100 रनों से जीत दर्ज की थी। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी अच्छी थी। अभिषेक के अलावा रुतुराज गायकवाड़ ने अर्धशतक लगाया था। वहीं रिंकू सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर 48 रन बनाये थे। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मेजबानों को आसानी से 134 रनों पर ही समेट दिया था। अब इस तीसरे मैच में यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और संजू सैमसन की वापसी से भारतीय टीम की बल्लेबाजी और भी बेहतर हो जाएगी।

यशस्वी , सैमसन और शिवम के आने से दूसरे मैच में शामिल कुछ खिलाड़ियों को बाहर बैठना पड़ेगा।

ऐसे में माना जा रहा है कि सैमसन को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल की जगह रखा जाएगा जबकि यशस्वी को साई सुदर्शन की जगह शामिल किया जाएगा। यशस्वी के आने से टीम प्रबंधन को बल्लेबाजी क्रम भी बदलना पड़ा है। अभिषेक और रुतुराज को भी यशस्वी के कारण नंबर 3 और 4 स्थान पर उतरना पड़े। इसके अलावा शिवम दुबे को रियान पराग की जगह रखा जाएगा।

पराग अपने डेब्यू मैच में दो रन ही बना पाये थे। बल्लेबाजी के अलावा शिवम अपनी मध्यम गति की गेंदबाजी के साथ टीम के लिए बेहतर साबित होंगे। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाज आवेश खान और मुकेश कुमार बरकरार रहेंगे। ऐसे में खलील अहमद और तुषारदेशपांडे बाहर ही रहना होगा। वाशिंगटन सुंदर और रवि बिश्नोई की स्पिनर जोड़ी ने पहले दो मैचों में अच्छी गेंदबाजी की थी और उन्हें भी इस मैच में बनाये रखना तय है।

वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम को इस मैच में भारतीय टीम का सामना करने के लिए अपना स्तर काफी ऊंचा करना पड़ेगा जो वर्तमान हालतों में संभव नजर नहीं आ रहा है। दूसरे टी20 में मेजबान टीम भारतीय टीम का किसी भी क्षेत्र में मुकाबला नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम ही जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। अभी तक दोनो ही टीमों ने एक-एक मैच जीते हैं जिससे ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, मुकेश कुमार।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रज़ा (कप्तान), तदिवानाशे मारुमनी, इनोसेंट कैया, ब्रायन बेनेट, डायोन मायर्स, जॉनाथन कैंपबेल, क्लाइव मैडेंडे (डब्ल्यू), वेस्ली मधेवेरे, ल्यूक जोंगवे, ब्लेसिंग मुज़ारबानी, तेंडाई चटारा।

फिर सैंकड़ों यात्रियों की जान........ बोइंग विमान ने डाली खतरे में

लॉस एंजिलिस (ईएमएस)। बोइंग विमान ने फिर सैंकड़ों यात्रियों की जान को खतरे में डाल दिया। लॉस एंजिलिस में यूनाइटेड एयरलाइंस के बोइंग जेट विमान का पहिया उड़ान भरते समय निकल गया। हालांकि, बाद में विमान को डेनवर में सुरक्षित उतारा गया। विमानन कंपनी ने इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, लॉस एंजिलिस में विमान का पहिया बरामद किया है। हम घटना के पीछे की वजहों की जांच कर रहे हैं। घटना के समय बोइंग विमान में 174 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे। इससे पहले, सात मार्च को सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने वाले यूनाइटेड एयरलाइन के बोइंग विमान का पहिया बीच हवा में टूटकर गिर गया था। घटना के कारण विमान हवाई अड्डे के पार्किंग क्षेत्र में एक कार के ऊपर जा गिरा था।

अमेरिका में आंध्र प्रदेश के छात्र की झरने में डूबने से मौत

अमरावती (ईएमएस)। आंध्रप्रदेश का छात्र जी साई सूर्या अविनाश की अमेरिका में एक झरने में दुर्घटनावश फिसलकर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि अविनाश सात जुलाई को अल्बानी (न्यूयॉर्क) के बार्बरविले फॉल्स में डूब गया।

वाणिज्य दूतावास ने पोस्ट किया, हम ट्राइन विश्वविद्यालय के छात्र साई सूर्या अविनाश गड्डे की दर्दनाक मौत से बहुत दुखी हैं। वह सात जुलाई को बार्बरविले फॉल्स, अल्बानी (न्यूयॉर्क) में डूब गया था।

मृत छात्र के परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए, वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह अविनाश के शव को भारत वापस भेजने के लिए सभी आवश्यक मदद मुहैया कर रहा है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि अविनाश सात जुलाई को अल्बानी के बार्बरविले फॉल्स में डूब गया।

मोदी-पुतिन मिले गले........जेलेंस्की ने जाहिर की निराशा

कीव (ईएमएस)। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने मोदी-पुतिन की मुलाकात पर नाराजागी जाहिर की है। उन्होंने पीएम मोदी के दौरे को यूक्रेन में शांति की कोशिशों को बड़ा झटका बताया। उन्होंने लिखा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता का दुनिया के सबसे खूनी नेता को गले लगाना निराशाजनक है।

दरअसल, यूक्रेन का दावा है कि सोमवार को रूस ने कीव में बच्चों के अस्पताल पर हमला किया जिसमें 41 लोग मारे गए। ये सब उस वक्त हुआ जब मोदी रूस दौरे पर रवाना हो चुके थे। रिपोर्ट के मुताबिक हमले के बाद अस्पताल से 600 से ज्यादा मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया।

हमले के कुछ ही देर बात अस्पताल की इमारत गिर गई। पुलिस ने बताया कि 3 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायलों का इलाज किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मंगलवार को घटना पर विशेष बैठक बुलाई है। इससे पहले जेलेंस्की ने भी बदला लेने के लिए देश के सैन्य अधिकारियों के साथ इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है।

पश्चिम बंगाल में 30 लाख नौकरियां घटीं, महाराष्ट्र में 24 लाख नए रोजगार बढ़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के सालाना सर्वे के अनुसार पिछले सात वर्षों में पश्चिम बंगाल में असंगठित उद्योगों में सबसे ज्यादा 30 लाख नौकरियां कम हुई हैं। जब?कि महाराष्ट्र में इसी अवधि के दौरान 24 लाख नए रोजगार के अवसर ?मिले हैं। यह सर्वे 2015-16 से 2022-23 तक की रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया। एनएसओ के सर्वे में यह सामने आया है कि देश के 28 में से 13 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में असंगठित क्षेत्रों में रोजगार तेजी से घटे हैं। पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश समेत अधिकांश बड़े राज्यों में असंगठित क्षेत्रों में रोजगार में कमी देखी गई है। हालांकि, कुछ आर्थिक रूप से कमजोर माने जाने वाले राज्यों में पिछले सात वर्षों में रोजगार बढ़े हैं। राजस्थान में 8.8 लाख नए रोजगार आए हैं, वहीं मध्य प्रदेश और बिहार में 6-6 लाख नई नौकरियां बढ़ी हैं। पंजाब और हरियाणा में 3-3 लाख और झारखंड में 4 लाख नए रोजगार बढ़े हैं। पंजाब और हरियाणा में रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ है, जिससे इन राज्यों में नौकरियों की संख्या बढ़ी है। एनएसओ के सर्वे के अनुसार इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि असंगठित क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति राज्यों के अनुसार भिन्न-भिन्न है। जबकि कुछ राज्यों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं, वहीं अन्य राज्यों में इसमें कमी आई है। इससे यह भी पता चलता है कि आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों ने रोजगार के अवसरों में सुधार किया है, जबकि बड़े और अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों में रोजगार में गिरावट आई है। इस रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होता है कि असंगठित क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति सुधारने के लिए राज्यों को विशेष प्रयास करने चा?हिए। इसके साथ ही नीति निर्माताओं को इन क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

सोना 72300 और चांदी 92,500 के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को सोना-चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त देखने को मिली है। मंगलवार को सोने का भाव लगभग 20 रुपये प्रति 10 ग्राम मजबूत हुआ है, जबकि चांदी में भी करीब 20 रुपये प्रति किलो की बढ़त देखने को मिली है। इससे पहले सोमवार को सोना और चांदी दोनों धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार को 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72343 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है, जबकि 4 अक्टूबर की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72755 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोने में लगभग 250 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है, जिसके बाद यह 72964 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले सोमवार को आखिरी सत्र में 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72333 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था, जबकि 4 अक्टूबर की डिलीवीरी वाला सोना 72736 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोना 73212 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर 5 सितंबर की वायदा डिलीवरी वाली चांदी 17 रुपये गिरकर 92631 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रही है, जबकि 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाली चांदी 9 रुपये लुढ़क कर 95357 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा है।

आ गया एचआईवी का टीका, साल में दो बार लगेगा 100 फीसदी देगा सुरक्षा

पार्किंसन विशेषज्ञ को लेकर व्हाइट हाउस और पत्रकारों में बहसबाजी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के व्हाइट हाउस के कर्मचारियों की पार्किंसन के एक विशेषज्ञ के दौरे को लेकर पत्रकारों से बहस हो गई। व्हाइट हाउस में आने वालों के रिकॉर्ड से पता चलता है कि पार्किंसन विशेषज्ञ डॉ. केविन कैनार्ड ने आठ महीनों में आठ बार व्हाइट हाउस आए। पत्रकार यह जानना चाहते थे कि क्या राष्ट्रपति जो बाइडन को पार्किंसन विशेषज्ञ ने देखा था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप मुझ पर कितना दबाव डालते हैं। मैं किसी नाम की पुष्टि नहीं करने जा रही हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता यह रिकॉर्ड में है या नहीं। मैं आपके साथ जो साझा कर सकती हूं वह यह है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी शारीरिक जांच के लिए तीन बार न्यूरोलॉजिस्ट से मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि फरवरी में राष्ट्रपति की किसी भी रिपोर्ट में कोई भी खराबी नहीं मिली जो किसी भी स्ट्रोक, मल्टीपल स्क्लेरोसिस, पार्किंसन से संबंधित हो।

पीएम मोदी की बात मान गए पुतिनः रुस की तरफ से लड़ रहे भारतीयों को मिलेगी छुट्टी

मॉस्को(ईएमएस)। भारत और रुस की दोस्ती कई दशक पुरानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में इन रिश्तों को और अधिक मजबूत किया। यही कारण की रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पीएम नरेंद्र मोदी पर काफी भरोसा करते हैं। समय समय पर वे उनकी बात भी मान लेते हैं। मॉस्को पहुंचे पीएम मोदी ने पुतिन से उन भारतीयों के बारे में बात की जो रुसी सेना की तरफ से युद्ध लड़ रहे हैं। रूसी सेना की ओर से लड़ रहे कई भारतीयों की मौत भी हो चुकी है। इसी बीच रूस ने जानकारी दी है कि उनकी सेना की ओर से लड़ रहे भारतीय नागरिकों को छुट्टी दी जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्राइवेट डिनर पर बातचीत के दौरान ये मुद्दा उठाया था। राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी की बात को मानते हुए रूसी सेना में फंसे भारतीय युवाओं की वापस स्वदेश भेजने का फैसला किया।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी 4 जुलाई को शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन से पहले अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ इस मामले को जोरदार ढंग से उठाया था। यूक्रेन के खिलाफ रूस की ओर से युद्ध में लड़ते हुए कम से कम दो भारतीयों की मौत हो गई है, जबकि युद्ध क्षेत्र में फंसे दर्जनों लोगों का दावा है कि उन्हें धोखे से युद्ध में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। जानकारी के मुताबिक, अभी भी

पीएम मोदी और पुतिन के साथ दिख रही ये महिला कौन........लोगों पूछ रहे सवाल

मॉस्को (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन की रूस यात्रा पर सोमवार शाम मास्को पहुंचे हैं। यहां पीएम मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने सरकारी घर में पीएम मोदी का बेहद गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी जैसे ही अपनी कार से उतरे राष्ट्रपति पुतिन ने उनसे हाथ मिलाया और फिर गले मिलकर अपने गहरे रिश्ते का इजहार किया। हालांकि पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात के दौरान एक महिला ने कई लोगों ध्यान खींचा। लोग यह जानना चाहते कि आखिर यह महिला कौन है, जो पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के साथ साये की तरह मौजूद है।

दरअसल पीएम मोदी और पुतिन अपनी मातृभाषा में ही बात करना पसंद करते हैं। पीएम मोदी से सोमवार को निजी डिनर के दौरान हुई मुलाकात में भी पुतिन रूसी भाषा में ही बात करते दिखे और पीएम मोदी भी उनसे हिन्दी में ही बात कर रहे थे। इसके बाद दोनों राष्ट्राध्यक्षों को एक दूसरे की बात समझाने के लिए दोनों ही देशों की तरफ से द्विभाषिये रखे गए थे और यह महिला उन्हीं में से एक थी। इस महिला को रूस की तरफ से रखा गया था, राष्ट्रपति पुतिन की बातों का रूसी भाषा से हिन्दी में अनुवाद करके पीएम मोदी को बता रही थी। बता दें कि पुतिन ने अपने घर पर हुई अनौपचारिक मुलाकात के दौरान भारत की तरक्की के वास्ते किए गए कामों के लिए पीएम मोदी की खूब तारीफ की। उन्होंने पीएम मोदी से कहा, 'मैं आपको दोबारा प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई देना चाहता हूं। मुझे लगता है कि यह कोई इत्तेफाक नहीं है, बल्कि आपके कई सालों के काम का नतीजा है। पुतिन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपना पूरा जीवन अपने लोगों की सेवा में समर्पित कर दिया है और लोग इसे महसूस कर सकते हैं।

ऑनलाइन दवाओं पर नीति बनाने का आखिरी अवसर भी चूकी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली स्थित साउथ केमिस्ट्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (एससीडीए) के अनुसार केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया कि वह निर्धारित समय सीमा के अंदर ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए नीति बनाने में असमर्थ रही है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस साल मार्च में सरकार को नीति बनाने के लिए चार महीने का आ?खिरी अवसर प्रदान ?किया था, जिसके बाद कोर्ट ने कहा था कि अगर ऐसा केंद्र नहीं कर पाता तो वह इस मामले की सुनवाई मेरिट के आधार पर करेगा। सुनवाई कई याचिकाओं पर हुई, जिनमें केंद्र सरकार द्वारा ई-

फार्मेसी पर कार्रवाई नहीं करने के खिलाफ एससीडीए और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं सहित अन्य अनुरोध भी शामिल थे। ऑनलाइन दवाओं पर यह सुनवाई मद्रास हाईकोर्ट द्वारा भी केंद्र सरकार और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए नीति को अंतिम रूप देने और जल्द से जल्द सूचित करने के निर्देश देने के एक सप्ताह बाद हुई। केंद्र ने अगस्त 2018 में ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए एक मसौदा अधिसूचना जारी किया था, जिसके बाद ये याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाओं में तर्क दिया गया कि दवाओं और प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की ऑनलाइन बिक्री अवैध है और कानून का कोई आदेश नहीं है।

दिसंबर 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट ने ई-फार्मेसियों द्वारा दवाओं की ऑनलाइन बिक्री को रोकने का आदेश पारित किया था क्योंकि इसके लिए ड्रग्स एंड कास्मेटिक्स एक्ट, 1940 और फार्मेसी एक्ट, 1948 के तहत अनुमति नहीं थी। मंत्रालय तब से नीति बनाने के लिए समय विस्तार का अनुरोध करता आ रहा है। नवंबर 2023 में मंत्रालय ने फिर से अधिक समय का अनुरोध करते हुए कहा कि ऑनलाइन दवाओं की बिक्री का विषय जटिल प्रकृति का है और दवाओं की बिक्री के तरीके में कोई भी संशोधन दूरगामी परिणाम होंगे और कई अधिनियमों और नियमों, विनियमों में परिवर्तन शामिल होंगे।

आ गया एचआईवी का टीका, साल में दो बार लगेगा 100 फीसदी देगा सुरक्षा

-पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में, युवतियां एचआईवी संक्रमणों से सबसे ज्यादा पीड़ित

केपटाउन,(ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में एक क्लिनिकल ट्रायल से पता चला है कि नई रोग-निरोधक दवा का साल में दो बार इंजेक्शन युवतियों को एचआईवी संक्रमण से पूरी सुरक्षा देता है। ट्रायल में यह पता लगाने का प्रयास किया गया है क्या 'लेनकापाविर' का छह-छह महीने पर टीका, रोज ली जाने वाली गोलियों की तुलना में एचआईवी संक्रमण के खिलाफ बेहतर सुरक्षा देगा। अध्ययन के दक्षिण अफ्रीकी भाग के प्रमुख जांचकर्ता, चिकित्सक-वैज्ञानिक ने बताया कि लेनकापाविर और दो अन्य दवाओं का असर का परीक्षण 5,000 लोगों पर युगांडा में तीन जगहों और दक्षिण अफ्रीका में 25 जगहों पर किया गया। इसे हर छह महीने में एक बार लगाया जाता है।

पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में, युवतियां एचआईवी संक्रमणों से सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि ट्रायल के दौरान लेनकापाविर लगवाने वाली 2,134 महिलाओं में से कोई भी एचआईवी से संक्रमित नहीं हुई है। यह इंजेक्शन 100 फीसदी सफल रहा है। उन्होंने कहा कि यह सफलता बड़ी उम्मीद जगाती है कि लोगों को एचआईवी से बचाने के लिए हमारे पास एक सिद्ध, अत्यधिक प्रभावी रोकथाम का उपाय है।

पिछले साल वैश्विक स्तर पर 13 लाख नए एचआईवी संक्रमण के मामले आए थे। हालांकि, यह 2010 में देखे गए 20 लाख संक्रमण के मामलों से कम है। युवाओं के लिए रोज एक गोली लेने या कंडोम का इस्तेमाल करने या संभोग के समय एक गोली लेने का निर्णय बहुत चुनौतीपूर्ण हो सकता है। एचआईवी वैज्ञानिकों और कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि युवाओं को यह पता चलेगा कि साल में केवल दो बार यह 'रोकथाम निर्णय' लेने से मुश्किलें कम हो सकती हैं। किसी युवती के लिए साल में सिर्फ दो बार एक इंजेक्शन लगवाना वह विकल्प है जो उसे एचआईवी संक्रमण दूर रख सकता है।

यूपी में सस्ती हुई हाइब्रिड कारें

- 2 लाख रुपए सस्ती हुई मारुति की ग्रैंड विटारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में हाइब्रिड कारें अब सस्ती हो गई हैं। इस तरह की कारों की कीमत 4 लाख रुपये तक घट गई है। ऐसे वाहनों का पंजीकरण शुल्क शून्य करने का राज्य सरकार के फैसले के बाद इनकी कीमतें कम हुई है। वाहन उद्योग के एक सूत्र ने बताया कि स्वच्छ तकनीक को बढ़ावा देने के इरादे से योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह फैसला किया है। उत्तर प्रदेश में पिछले वित्त वर्ष के दौरान हर महीने करीब 100 हाइब्रिड कार बिकी थीं। राज्य सरकार ने वाहन पंजीकरण शुल्क में छूट देने के लिए हाइब्रिड वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों के बराबर रखने के निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के सबसे बड़े बाजारों में शुमार है और इस नई छूट से यहां महंगी हाइब्रिड गाड़ियों की बिक्री को भी दम मिलने की उम्मीद है। पहले ईवी का पंजीकरण मुफ्त में होता था मगर 10 लाख रुपये से कम के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों पर 8 फीसदी पंजीकरण और इससे अधिक कीमत के वाहनों पर 10 फीसदी पंजीकरण शुल्क देना पड़ता था। अब पंजीकरण शुल्क हटने पर उत्तर प्रदेश में इन हाइब्रिड गाड़ियों की एक्स-शोरूम कीमत करीब 10 फीसदी तक कम हो गई है। उत्तर प्रदेश में मारुति ग्रैंड विटारा करीब 2 लाख रुपये सस्ती हो गई है। इसी तरह मारुति इनविक्टो की कीमत भी करीब 3 लाख रुपये घट गई है। उत्तर प्रदेश में ग्रैंड विटारा और इनविक्टो की एक्स-शोरूम कीमत 10.99 लाख रुपये से 25.21 लाख रुपये के बीच है। हाइब्रिड कार बाजार में मारुति सुजूकी इंडिया और टोयोटा किर्लोस्कर प्रमुख हैं।

बाइडेन ने दावा किया है कि कुछ भी हो जाए, मै दौड़ में बना रहूंगा।

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले जो बाइडेन की दिक्कतें कम नहीं हो रही हैं। बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के करीब पांच सांसदों ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन को नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से हट जाना चाहिए। सांसद जेरी नैडलर, मार्क टाकानो, जो मोरेल, टेड लियू और एडम स्मिथ ने अटलांटा में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हुई डिबेट में उनके प्रदर्शन को देखने के बाद यह राय रखी।

बाइडेन खुद अपने प्रदर्शन को एक बैड नाइट बता चुके हैं। उनकी अप्रूवल रेटिंग में भी गिरावट आई है। पार्टी के लोगों ने बाइडेन के स्वास्थ्य पर सवाल उठाकर कहा है कि इसतरह के हालातों में वह कैसे चार साल तक देश में शासन कर सकते है। वहीं बाइडेन ने दावा किया है कि कुछ भी हो जाए, मै दौड़ में बना रहूंगा। हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज ने बाइडेन और ट्रम्प के बीच बहस के बाद उभरते राजनीतिक परिदृश्यों पर चर्चा करने के लिए प्रतिनिधि सभा में अपने पार्टी सहयोगियों की एक वर्चुअल बैठक बुलाई थी।

इस बैठक से पहले ही कई शीर्ष सांसदों का मानना है कि बाइडेन को इस रेस से बाहर हो जाना चाहिए। सशस्त्र सेवा समिति के रैंकिंग सदस्य, कांग्रेसी स्मिथ ने कहा है कि बाइडेन के जाने का समय आ गया है। चार अन्य कांग्रेसियों ने भी कुछ इसी तरह के विचार व्यक्त किए और माना कि बाइडेन के लिए दौड़ से बाहर होने का समय आ गया है। बड़ी संख्या में डेमोक्रेट्स सार्वजनिक रूप से या निजी तौर पर यह कहने लगे हैं कि उन्हें दौड़ से हट जाना चाहिए, इनमें न्यायपालिका, सशस्त्र सेवा और खुफिया समितियों के शीर्ष डेमोक्रेट्स भी शामिल हैं। इस बीच, बाइडेन और उनकी टीम इस तरह के आह्वान को अनदेखा या अनसुना कर रही है। टीम ने कहा है कि बाइडेन दौड़ में हैं।

ब्रह्मांड में होंगी अजीब घटनाएं, 2025 से दुनिया का पतन शुरू हो जाएगा!

- बाबा वेंगा की 2024 को लेकर की गईं अनेक भविष्यवाणियां सही साबित हो रहीं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बाबा वेंगा जिनकी लगभग सभी भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं। उनकी भविष्यवाणियों पर लोग भरोसा भी करते हैं क्योंकि उन्होंने दशकों पहले ही बता दिया था कि साल 2024 में परिस्थितियां कैसी होंगी। बाबा वेंगा ने साल 2024 को लेकर जो भी कहा था, वह काफी कुछ सही होता दिख रहा है। उन्होंने कहा था कि युद्ध की घटनाएं बढ़ेंगी। रूस-यूक्रेन और फिर इज़राइल-हमास के बीच का संघर्ष दुनिया देख रही है। इसके अलावा उन्होंने बताया था कि एलियन से मुठभेड़ हो सकती है। इसकी पुष्टि तो नहीं हुई लेकिन कई जगह यूएफओ मिलने के दावे किए जा रहे हैं। इसके अलावा उनकी एक महत्वपूर्ण भविष्यवाणी ग्लोबल वॉर्मिंग को लेकर भी है, जिसमें उन्होंने कहा था मौसम का भयानक रूप दिखाई देगा। भयानक गर्मी लोगों को परेशान कर देगी और इसका असर स्वास्थ्य पर पड़ेगा। उनकी ये भविष्यवाणी काफी कुछ सही है और पूरी दुनिया में गर्मी का विकराल रूप देखने को मिल रहा है।

उन्होंने सैलाब की भी बात की थी, वह भी आ रहा है। इसके अलावा उन्होंने दावा किया था साल 2033 आते-आते पोलर आइस कार्स पिघलने लगेंगे और दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ जाएगा। इससे दुनिया के कुछ शहर खत्म हो सकते है। उन्होंने जो सबसे डरावनी बात कही वह है कि साल 2025 से पतन और विनाश की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस साल में ब्रह्मांड में एक ऐसी घटना होगी, जिसकी किसी को कल्पना भी नहीं है। इतना ही नहीं यूरोप में कुछ ऐसा होगा, जिससे उनकी जनसंख्या बहुत कम हो जाएगी। इस तरह से अगले छह महीने के बाद ही हम पतन की ओर बढ़ने लगेंगे।

बाबा वेंगा ने ये भी दावा किया था कि इंसान साल 2028 तक वीनस यानि शुक्र ग्रह पर पहुंच जाएगा। हालांकि अभी इस तरफ कोई खास प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। वहीं उन्होंने ये भी कहा था कि साल 2130 तक एलियंस से संपर्क हो जाएगा। साल 2170 में ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से सूखा पड़ेगा और इस तरह से पतन की ओर बढ़ती हुई दुनिया 3797 में खत्म हो जाएगी। हां, तब तक बहुत से मनुष्य दूसरे ग्रहों तक पहुंच चुके होंगे। अब उनकी ये भविष्यवाणियां कितनी सही होती हैं और कितनी गलत ये तो वक्त बताएगा। 9/11 अटैक और ओबामा के राष्ट्रपति बनने के बाद से उनकी भविष्यवाणियों पर काफी भरोसा किया जाने लगा था। यह बात अलग है कि उनकी सारी बातें सही नहीं निकली हैं।

शज्यभश में प्रदर्शन कश्ने की भी कांग्रेस ने चेतावनी दी

जीएमईआशएस मेडिकल कॉलेजों में कम फीस के वादे मुकशी सश्काश

अहमदाबाद, ०९ जुलाई । कांग्रेस का आशेप है कि निजी मेडिकल कॉलेजों को गुजशत सश्काश बढ़ावा दे शही है। फीस वृद्धि श्द्द न होने पश शज्यभश में प्रदर्शन कश्ने की भी कांग्रेस ने चेतावनी दी है।

गुजशत मेडिकल एंड एजूकेशन शिसर्च सोसाइटी (जीएमईआशएस) संचालित मेडिकल कॉलेजों की फीस में वर्ष २०२४-२५ से ६७ फीसदी (सश्काशी कोटा) से लेकश ८८ प्रतिशत (प्रबंधन कोटा) तक की वृद्धि की गई है। इसको लेकश विद्यार्थी औश अभिभावक विशेध कश श्हे हैं, ऐसे में गुजशत प्रदेश कांग्रेस भी उनके समर्थन में आगे आई है।

गुजशत प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने सोमवाश को गुजशत सश्काश पश जीएमईआशएस गठित कश मेडिकल कॉलेज शुरू कश्ने के दौशन किए गए सस्ती मेडिकल शिक्षा देने के वादों से मुकश्ने का आशेप लगाया है। उन्होंने इस फीस वृद्धि को अभिभावकों की कमश तोड़ने वाला कदम बताते हुए इसे तत्काल श्द्द कश्ने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पश अभिभावकों के साथ मिलकश एनएसयूआई के साथ शज्यभश में प्रदर्शन कश्ने की चेतावनी दी है। सड़क से संसद तक मुद्दा उठाने की बात कही है।

गोहिल ने कहा कि गुजशत सशकाश ने कहा था कि सश्काश जीएमईअ ाशएस का गठन कश सस्ते में युवाओं को मेडिकल शिक्षा देना चाहती है, लेकिन इसी सश्काश ने इस सोसायटी के तहत खोले १३ मेडिकल कॉले जों में निजी मेडिकल कॉलेजों की तशह ही बेतहासा फीस वृद्धि कश दी है। इससे अभिभावक चिंतित हैं, क्योंकि गशीब औश मध्यम वर्ग के बच्चों का मेडिकल पढ़ाई का सपना टूटता नजश आ श्हा है। २८ जून को पशिपत्र जाशी कश सश्काश ने सश्काशी कोटा में ६७ फीसदी औश प्रबंधन कोटे में ८८ फीसदी की फीस वृद्धि की है।

गोहिल ने कहा कि मौजूदा गुजशत शज्य सश्काश ने बीते ३० सालों में एक भी सश्काशी मेडिकल कॉलेज नहीं खोला है। कांग्रेस की सश्काश के शज्य में वर्ष १९९४ में दो सश्काशी मेडिकल कॉलेज -एक भावनगश औश दूसश शजकोट शुरू किए गए थे। उसके बाद से शज्य में सश्काशी मेडिकल कॉलेज नहीं खुला है। सिर्फ निजी मेडिकल कॉलेजों को बढ़ावा औश मंजूशी दी जा श्ही है। कांग्रेस की मांग है कि सश्काश निजी की जगह सश्काशी मेडिकल कॉलेज शुरू कशे, जिससे गशीब-मध्यम वर्ग के बच्चे भी चिकित्सक बन सकें। इसको लेकश सोमवाश को मुख्यमंत्री औश स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखा है। इससे पहले भी चाश जुलाई को पत्र लिखा था।

पिछले तीन वर्षों में गुजरात में 495 छात्रों सहित 25,478 लोगों ने आत्महत्या की : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) देश और गुजरात में लगातार बढ़ रही युवाओं, किसानों, महिलाओं, छोटे व्यापारियों की आत्महत्या की घटनाएं, क्या यही है अमृतकाल? यह सवाल करते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक और प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में गुजरात में 495 छात्रों सहित 25,478 लोगों ने आत्महत्या की हैं गुजरात में तीन साल में 6879 छात्रों ने आत्महत्या का प्रयास किया है। राज्य में छात्र आत्महत्याओं में 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई हैं गुजरात के प्रमुख शहरों जैसे अहमदाबाद में 3280, सूरत में 2862, राजकोट में 1287 आत्महत्याएँ चिंताजनक हैं। भाजपा सरकार जरूरतमंद लोगों को रोजगार, आर्थिक सहायता, मानसिक स्वास्थ्य उपलब्ध कराने में विफल रही है। साल 2022 में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की जिनमें से 12,055 व्यापारियों, 8176 स्व-रोज़गार वाले लोगों, कुल 20,231 लोगों ने आत्महत्या की। वर्ष 2022 में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें 12,055 व्यापारी, 8,176 स्वरोजगार वाले, कुल 20,231 लोगों ने आत्महत्या की। देश में पिछले छह वर्षों के अनुसार, 2017 में 1,29,887, 2018 में 1,34,516, 2019 में 1,39,123, 2020 में 1,53,052, 2021 में 1,64,033, 2022 में 1,71,924 लोग और एक देश में कुल 9,92,535 लोगों ने आत्महत्या की, जो देश के लिए बेहद गंभीर मामला है। अहंकारी भाजपा शासक जनता के लिए कब सोचेंगे? अच्छे दिन, किसानों की आय दोगुनी, हर साल दो करोड़ नौकरियां, महंगाई से छुटकारा दिलाएंगे के वादों के बिल्कुल विपरीत भाजपा की नीति का शिकार देश के परिवार हो रहे हैं। यह चिंताजनक है कि देश में दिहाड़ी मजदूर, महिलाएं, किसान, खेत मजदूर, छात्र, व्यापारी, सेवानिवृत्त लोगों सहित परिवार के सदस्य आत्महत्या कर रहे हैं। 2017 से 2022 तक लगातार छह वर्षों से आत्महत्याओं की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। पिछले 6 सालों में देश में 9,92,535 लोगों ने आत्महत्या की देश में हर दिन औसतन 407 से ज्यादा लोग आत्महत्या कर रहे हैं और भारत में आत्महत्या करने वाला हर चौथा व्यक्ति दिहाड़ी मजदूर है। हर दो घंटे में तीन बेरोजगार लोग आत्महत्या करते हैं और हर पच्चीस मिनट में एक गृहिणी आत्महत्या करती है। आर्थिक संकट, बेरोजगारी, गंभीर शारीरिक समस्याएँ, पारिवारिक समस्याएँ आदि के कारण आत्महत्याएँ बढ़ रही हैं।

कोली-पटेल समाज ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

पूर्व मंत्री कुंवरजी बावलिया को गुजशत का मुख्यमंत्री बनाने की मांग

गांधीनगर, ०९ जुलाई । गुजशत के कोली पटेल समाज ने प्रधानमंत्री नशेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र के मुताबिक पूर्व मंत्री कुंवश्जी बावलिया को शज्य का मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठी है। हालांकि पूर्व मंत्री ने ऐसी मांगों को सिशे से खाशिज कश दिया है। बावलिया २०१७ के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा था। विजय रुपाणी सश्काश में कैबिनेट मंत्री श्हे हैं।

गुजशत में लोकसभा चुनाव के बाद कुछ नेताओं की नाशजगी सामने आई थी लेकिन ठाकोश-कोली विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष भूपत डाभी ने प्रधानमंत्री नशेंद्र मोदी को पत्र लिखकश शज्?य के पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंवश्जी बावलिया को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। हालांकि खुद बावलिया ने इस तशह की मांग को दशकिनाश कश्ते हुए कहा कि ऐसे निर्णय पार्टी आलाकमान कश्ता है।

विजय रुपाणी की सश्काश में सिंचाई एवं जलपूर्ति मंत्री श्ह चुके कुं वश्जी बावलिया कोली-पटेल समुदाय से आते हैं तथा पाटीदाश समाज के बाद ठाकोश व कोली-पटेल समाज का शज्य के अधिकांश जिलों में प्रभुत्व है। बावलिया गुजशत कांग्रेस के कार्यकाशी अध्यक्ष एवं कांग्रेस के पूर्व सांसद श्हे हैं, २०१७ के विधानसभा चुनाव से पहले वे भाजपा में शामिल हो गये थे। उन्हें पार्टी में शामिल होते ही कैबिनेट मंत्री बनाया गया था।

कुं वश्जी बावलिया अखिल भाश्तीय कोली-पटेल समाज के अध्यक्ष भी श्ह चुके हैं। मुख्यमंत्री पद पश दावे को लेकश अक्सश विधानसभा चुनाव से पहले विविध समाज की मांग उठती है लेकिन इस बाश लोकसभा चुनाव के बाद ठाकोश कोली विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष ने ही यह मांग उठाई है।

वायश्ल पत्र में लिखा गया है कि शज्य में उनके समाज की आबादी ३२ फीसदी है। स्थानीय निकाय में भी समाज के प्रतिनधि बड़ी संख्या में विविध पदों पश आसीन हैं। लोकसभा चुनाव में कोली-पटेल समाज पूशी तशह भाजपा के साथ श्हा है, समाज की भावना है कि अब उनके समाज के नेता कुंवश्जी बावलिया को गुजशत के मुख्यमंत्री पद पश बिठाया जाए। शज्य के प्रति समर्पित एवं निष्ठावान नेता को इस पद पश बिठाया जाए तो समाज एवं शज्य का भला होगा।

कुंवश्जी बावलिया ने इस तशह की मांग को सिशे से खाशिज कश दिया। उनका कहना है कि ऐसे निर्णय पार्टी आलाकमान कश्ता है। उनकी ऐसी कोई मांग नहीं है। भाजपा ने इस पत्र को लेकश कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के बाद अमशेली, जूनागढ व शज कोट में भाजपा नेताओं के बीच खट पट की खबशें आई लेकिन अब मामला शांत है लेकिन एक समाज की मुख्यमंत्री पद की मांग ने शजनीतिक हलकों में जरुश गर्मी ला दी है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में गांधी नगर में साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए

गांधीनगर 09 जुलाई : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में मंगलवार को गांधीनगर में राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल कॉर्पोरेशन के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रेडीनेस (एआई रेडीनेस) को लेकर एक महत्वपूर्ण साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इंटेल कॉर्पोरेशन के साथ इस साझेदारी से गुजरात को डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचार और निवेश (इनोवेशन एंड इन्वेस्टमेंट) का हब बनाने के विजन को गति मिलेगी।

राज्य सरकार ने यह साझेदारी इस डिजिटल रेडीनेस प्रोग्राम के माध्यम से नई उभरती टेक्नोलॉजी को इंटेल के प्लेटफॉर्म पर विद्यार्थियों, पेशेवरों और नागरिकों के लिए सुलभ बनाकर राज्य में डिजिटल रेडीनेस को इंटेल के साथ संयुक्त रूप से आगे बढ़ाने के लिए की है।

गुजरात में इस पहल की शुरुआत तकनीकी नवाचार और आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन देने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह साझेदारी गुजरात को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती मोना खंधार ने इस साझेदारी से राज्य में कुशल कार्यबल को बढ़ावा देने और तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने में इस पहल को महत्वपूर्ण बताया।

इस प्रोग्राम का उद्देश्य विद्यार्थियों, पेशेवरों, नागरिकों और डिजिटल लीडरों को एआई-संचालित दुनिया में विकसित होने के लिए आवश्यक कौशल, मानसिकता और टूलसेट से लैस कर उनका सशक्तिकरण करना है।

यह पहल क्षेत्रीय विज्ञान केंद्रों, शैक्षणिक और सरकारी संस्थानों सहित कई साझेदारों एवं हितधारकों के सहयोग से कार्यान्वित की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री राज कुमार, गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) के प्रबंध निदेशक श्री तपन रे, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी तथा इंटेल कॉर्पोरेशन की ओर से श्री अनिल नंदूरी, उपाध्यक्ष एवं इंटेल एआई एक्सेलेरेशन ऑफिस के प्रमुख तथा सुश्री श्वेता खुराना, वरिष्ठ निदेशक, एशिया पैसिफिक और जापान, ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स ग्रुप, इंटेल मौजूद रहे।

ब्ल्यू इकोनॉमी में गुजरात का बड़ा योगदान, समुद्री मछली उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर

गांधीनगर (ईएमएस) मत्स्य पालन और जलीय कृषि व्यवसाय से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सहयोग एवं समर्थन प्रदर्शित करने के लिए भारत में हर वर्ष 10 जुलाई को राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात में 10 जुलाई को आणंद और 11 जुलाई को उकाई में राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में गुजरात सरकार की विभिन्न योजनाओं और मत्स्य पालन क्षेत्र से संबंधित आधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्लू इकोनॉमी विकसित करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि, ''हम एक ऐसे भविष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं, जहां ब्लू इकोनॉमी एक ग्रीन प्लेनेट के निर्माण का माध्यम बनेगी।'' गुजरात में देश की सबसे लंबी 1600 किमी की तटरेखा है, जो देश में ब्लू इकोनॉमी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। राज्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने और मछुआरों को आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने भी विभिन्न प्रोत्साहक उपायों और नीतियों को लागू किया है। इसके परिणामस्वरूप गुजरात आज समुद्री मछली उत्पादन में देशभर में दूसरे स्थान पर है।

पिछले 4 वर्षों में गुजरात में सालाना औसतन मत्स्य उत्पादन 8.38 लाख मीट्रिक टन

गुजरात जहां समुद्री मछली उत्पादन के मामले में देश में दूसरे स्थान पर काबिज है, वहीं अन्य सभी प्रकार के स्त्रोतों से होने वाले कुल मत्स्य उत्पादन में देश में पांचवें स्थान पर है। पिछले 4 वर्षों में गुजरात में कुल मस्त्स उत्पादन का आंकड़ा सालाना औसतन लगभग 8.38 लाख मीट्रिक टन रहा है। राज्य में वर्ष 2022-23 में समुद्री मछली का उत्पादन 7,03,000 मीट्रिक टन और अंतर्देशीय मछली उत्पादन 1,94,422 मीट्रिक टन था। इस तरह, वर्ष 2022-23 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 8,97,422 मीट्रिक टन रहा था। वर्ष 2023-24 में राज्य में समुद्री मछली का उत्पादन 7,02,050 मीट्रिक टन, जबकि अंतर्देशीय मछली उत्पादन 2,13,140 मीट्रिक टन रहने की संभावना है। इस प्रकार, वर्ष 2023-24 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 9,15,190 मीट्रिक टन रहने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात की 61 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी

मत्स्य उद्योग का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने तथा मछुआरों की आजीविका में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देशभर में 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (पीएमएमएसवाई) लागू की है। इसके तहत मत्स्योद्योग के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास को केंद्र में रखा गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना को मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता से लेकर टेक्नोलॉजी, कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे और मार्केटिंग तक मत्स्य पालन मूल्य शृंखला में महत्वपूर्ण अंतराल को पाटने के लिए डिजाइन किया गया है। इस योजना का उद्देश्य मूल्य शृंखला को आधुनिक और मजबूत बनाना, ट्रैसेबिलिटी यानी पता लगाने की क्षमता को बढ़ाना और एक मजबूत मत्स्य पालन प्रबंधन ढांचा स्थापित करने के साथ ही मछुआरों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण को सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात में विभिन्न घटक परियोजनाओं के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 में कुल 286.53 करोड़ रुपए तथा 2023-24 में कुल 61.55 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इससे भी राज्य में मत्स्य पालन गतिविधियों को गति मिल रही है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास के लिए गुजरात सरकार के प्रयास

गुजरात के 1600 किमी लंबे समुद्री तट की संपूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए राज्य सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में अनेक नई पहलें की हैं, जिसमें डीजल की वैटर दर में कमी, केरोसिन और पेट्रोल की खरीद पर सब्सिडी की सुविधा, झींगा पालन के लिए जमीन आवंटन के अलावा सड़क एवं बिजली की सुविधाएं मुहैया कराना और मछुआरों के छोटे बंदरगाहों की ढांचागत सुविधाओं में वृद्धि आदि शामिल हैं। इसके साथ ही, माढवाड़, नवाबंदर, वेरावल-2 और सूत्रापाड़ा में चार नए मत्स्य बंदरगाह निर्माणाधीन हैं।

गत वर्ष 21 और 22 नवंबर को गुजरात के अहमदाबाद शहर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर के 'वैश्विक मत्स्य पालन सम्मेलन-2023' का आयोजन किया गया था। जबकि, इस वर्ष की शुरुआत में 27 जनवरी को कच्छ के कोटेश्वर में 'समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय सम्मेलन-2024' आयोजित किया गया था।

राज्य सरकार ने सेवानिवृत्त न्यायधीश अंबालाल पटेल को अभियोजन निदेशक नियुक्त किया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने तीन साल से खाली पड़े अभियोजन निदेशक के स्थान पर तीन साल के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश अंबालाल पटेल को नियुक्त किया है। राज्य के कानून विभाग ने आज इसका आदेश जारी कर दिया हैं कानून की प्रक्रिया को दशकों तक त्वरित और न्यायिक बनाने के लिए देश के सभी राज्यों में अभियोजन निदेशक की नियुक्ति करना आवश्यक है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश अंबालाल पटेल मूल रूप से वडोदरा जिले के मूल निवासी हैं। 6 साल की प्रैक्टिस के बाद जज बने अंबालाल पटेल ने राज्य की कई अदालतों में न्याय धीश के तौर पर काम किया हैं न्यायाधीश के रूप में उनकी 28 साल की यात्रा में उनके नाम कई ऐतिहासिक फैसले दर्ज हैं। अंबालाल पटेल के नाम अहमदाबाद मेट्रो कोर्ट में अपने 3 साल के कार्यकाल के दौरान नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट धारा 138 के तहत चेक रिटर्न के 19 हजार से अधिक मामलों के निपटान का रिकॉर्ड दर्ज हैं अहमदाबाद ब्लास्ट केस की विशेष अदालत के जज अंबालाल पटेल ने देश का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। 56 निर्दोष लोगों की जान लेने और कई लोगों को घायल करने वाले अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले के दोषियों को फरवरी-2022 में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सजा सुनाई गई थी। देश में पहली बार किसी आतंकवादी कृत्य के लिए एक साथ 49 आरोपियों को दोषी ठहराया गया था। अंबालाल पटेल ने 49 आतंकियों में से 38 को मौत की सजा और 11 दोषियों को ताउम्रकैद की सजा का ऐलान किया थी अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में दिए गए ऐतिहासिक फैसले के बाद न्यायधीश अंबालाल पटेल को राज्य सरकार ने जेड प्लस सुरक्षा देने का फैसला किया थी दरअसल अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में आरोपियों के खिलाफ ऐतिहासिक फैसला सुनाने वाले न्यायधीश अंबालाल पटेल को कई बार जान से मारने की धमकियां मिलने लगी थीं। विस्फोट मामले के दोषियों के असंतुष्ट समर्थकों ने पत्रों और ई-मेल के जरिए सिलसिलेवार धमकियां देनी शुरू कर दी। जिसे ध्यन में रखते हुए सरकार ने अंबालाल पटेल को चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया।

ट्रेलर ने एक्टिवा सवार दो छात्राओं को चपेट में लिया, एक की मौत

कच्छ (ईएमएस) बेलगाम वाहन चालकों के कारण निर्दोष लोगों की मौत की घटनाएं रोज सामने आती हैं ऐसी एक घटना कच्छ से सामने आई हैं कच्छ के अंजार में बेलगाम ट्रेलर की चपेट में आई एक्टिवा सवार दो छात्राओं में से एक की मौत हो गई जबकि एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश भड़क उठा और सड़क जाम कर अपना विरोध दर्ज कराया जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले के अंजार शहर में योगेश्वर चौराहे के निकट एक बेलगाम ट्रेलर ने एक्टिवा सवार दो छात्राओं को अपनी चपेट में ले लिया इस हादसे में एक्टिवा सवार दोनों छात्राएं बुरी तरह घायल हो गई, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया अस्पताल में एक छात्रा की उपचार की दौरान मौत हो गई

राज्य में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए प्रशासन अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में बरसाती माहौल के बीच आज गांधीनगर में वेदर वॉच ग्रुप की बैठक हुई इस बैठक में आने वाले समय में भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए लाइन विभाग के नोडल अधिकारियों के साथ मुद्देवार चर्चा की गई बैठक में आईएमडी के एक अधिकारी ने बारिश की स्थिति के बारे में जानकारी दी 14 जुलाई 2024 तक राज्य में भारी बारिश की भविष्यवाणी पर विस्तार से चर्चा की गई राज्य में भारी वर्षा की चेतावनी के तहत जिलों में एनडीआरएफ/एसडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है और जिला प्रशासन के आदेश के अनुसार राहत/बचाव कार्य चलाने के निर्देश दिये गये हैं स्वास्थ्य विभाग के साथ मौसमी महामारी की स्थिति पर चर्चा की गई और राहत आयुक्त ने शहरी विकास विभाग और जल आपूर्ति विभाग के साथ आवश्यक समन्वय करके उचित क्लोरीनीकरण और स्वच्छता करने के निर्देश दिए राहत आयुक्त ने बैठक में उपस्थित सभी नोडल अधिकारियों को मार्गदर्शन एवं आवश्यक निर्देश दिये तथा सम्भावित भारी वर्षा की स्थिति से निपटने हेतु रेखीय विभाग के नोडल अधिकारियों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए। बैठक में सिंचाई, एसएसएनएनएल, सीडब्ल्यूसी- माही और तापी प्रभाग, वन, स्वास्थ्य, बीआईएसएजी-एन, मत्स्य पालन, भारतीय नौसेना, तट रक्षक, जीएमबी, ऊर्जा, सड़क और भवन, जीएसआरटीसी, यूडीडी, अग्निशमन, पंचायत, पशुपालन, आईसीडीएस के नोडल अधिकारी , खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सूचना विभाग एवं भारतीय वायु सेना उपस्थित रहे।

विधर्मी युवक ने युवती के साथ दुष्कर्म कर वीडियो बनाया,

सूरत (ईएमएस) शहर के अठवा पुलिस थानान्तर्गत क्षेत्र में रहनेवाली एक युवती को प्रेमजाल में फांसक विधर्मी युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बना लिया बाद में उसे वीडियो के आधार पर युवती को ब्लैकमेल कर रु. 9.63 लाख ऐंठ लिए इसके बावजूद विधर्मी युवक ने युवती का पीछा नहीं छोड़ा तंग आकर युवती ने सूरत के अठवा पुलिस थाने में युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत के अठवा पुलिस थानान्तर्गत रहने वाली एक युवती अपनी सहेली की माध्यम से फरवरी 2022 के दौरान महाराष्ट्र के नंदूरबार जिले के नवापुर में रहनेवाले आबिद अकील शाह उर्फ नप्पू शाह के संपर्क में आई थी

साबश्मती इलाके में मामूली बात पश युवक की हत्या

[illegible]

अहमदाबाद शहश के न्यू शणिप इलाके में एक युवक की हत्या कश दी गई। इस मामले में चाश लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

अहमदाबाद शहश के साबश्मती थाना इलाके में न्यू शणीप सश्स्वतीनगश के पास एक पान की दुकान के समीप मामूली बात पश एक युवक की हत्या कश दी गई। मृतक के मित्र ने चाश लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कशाई है। साबश्मती पुलिस ने कुछ आशेपियों को हिशसत में भी लिया है।

साबश्मती थाने के पुलिस निशीक्षक एच एन पटेल ने बताया कि यह घटना छह जुलाई की सुबह कशीब साढ़े पांच बजे न्यू शणिप में सश्स्वती सोसायटी के नाके पश हुई। इसी सोसायटी में श्हने वाले अमश्जीत चौहान (२३) पश अजय उर्फ चको ठाकोश, शहुल सोनी, पप्पू ठाकोश औश कार्तिक नाम के आशेपियों ने पुशनी शंजिश के चलते तीक्ष्ण हथियाश औश पाइप से हमला कश दिया। जिससे जख्मी अमश्जीत को उपचाश के लिए सोला सिविल में भर्ती कशाया गया , जहां उसने दम तोड़ दिया। इस मामले में अमश्जीत के मित्र श्माकांत शजपूत की शिकायत पश हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा श्ही है। कुछ आशेपियों को हिशसत में भी लिया है।

प्राथमिक जांच में पता चला कि कुछ दिन पहले बाइक की चाबी मांगने को लेकश अमश्जीत औश अजय उर्फ चको का झगड़ा हुआ था। अमश्जीत ने अजय को तमाचा माश दिया था। इस बात के चलते अजय ने उसके मित्रों के साथ मिलकश अमश्जीत पश हमला कश उसकी हत्या कश दी।

ऐतिहासिक ऐलिस ब्रिज के जीर्णोद्धाश के लिए ३२.४० कशोड़ मंजूश

अहमदाबाद, ०९ जुलाई । मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अहमदाबाद शहश को अहम सौगात देने की घोषणा की है। १० साल से जर्जश पड़ा ऐतिहासिक एलिसब्रिज अब फिश से पैदल चलने वालों के लिए खुलेगा। १३२ साल पुशने पुल का होगा जीर्णोद्धाश। इसके नवीनीकश्ण औश मजबूती के लिए गुजशत सश्काश द्वाश ३२.४० कशोड़ आवंटित किए गए हैं।

अहमदाबाद की शान एलिसब्रिज शहश में विश्व धशोहश माना जाता है। यह गुजशत में लगभग सौ साल पुशना पुल है। एलिस ब्रिज साबश्मती नदी पश स्थित है औश शहश के पश्चिम भाग को पूर्व से जोड़ता है। इसे १८९२ में बनाया गया था। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने वर्ल्ड हेशिटेज सिटी अहमदाबाद के हेशिटेज ब्रिज ऐलिस ब्रिज के नवीनीकश्ण के लिए ३२ कशोड़ ४० लाख ५० हजाश रुपए आवंटित कश्ने की मंजूशी दी।

अहमदाबाद शहश में साबश्मती नदी पश यह पहला पुल १८९२ में ब्रिटिश शासन के दौशन बनाया था। ब्रिटिश सश्काश द्वाश एक ''स्टील'' पुल का निर्माण कशाया गया। इसके इंजीनियश हिम्मतलाल धीश्जशाम भचेच थे। एलिस ब्रिज को यह नाम उत्तशी क्षेत्र के कमिश्नश ''बैशो हैल्बर्ट एलिस'' थे उनके नाम पश मिला। यह ४३३.४१ मीटश की लंबाई औश ६.२५ मीटश की चौड़ाई के साथ बना है। एलिसब्रिज का निर्माण ३०.९६ मीटश की १४ स्पैन बो-स्ट्रिंग प्रकाश की स्टील संश्चना से किया गया। पुल बनाने के लिए स्टील विदेश ''बर्मिंघम'' से आयात किया गया था। इस स्टील ब्रिज का निर्माण तब लगभग ४,०७,००० की लागत से किया गया था। इस ऐतिहासिक पुल की स्टील संश्चना मौसम के प्रभाव के काश्ण जर्जश औश खतश्नाक हो गई है औश पिछले दस वर्षों से यह पुल उपयोग के लिए पूशी तशह से बंद है।

शज्य सश्काश ने इस पुल की विशसत बनाए श्खने औश जर्जश हालत की मश्म्मत कशने के उद्देश्य से स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहशी विकास योजना के तहत पुल का सुदृढ़ीकश्ण कश्ने का निर्णय लिया। इसके लिए ३२ कशोड़ ४० लाख ५० हजाश रूपए की शशि मंजूश की गई है। बेहद उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ इसका पुनर्वास किया जाएगा।

एलिस ब्रिज के सुदृढ़ीकश्ण के साथ, पैदल यात्री साबश्मती नदी के तट पश विक्टोशिया गार्डन के पास आयोजित पाशंपशिक शविवाशी बाजाश तक आने-जाने के लिए फिश से पुल का उपयोग कश्ने में सक्षम होंगे उससे आन लोगों। जीर्णोद्धाश के लिए नगश निगम द्वाश शहशी विकास विभाग को दिया गया प्रस्ताव मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के समक्ष प्रस्तुत किया औश उन्होंने इसे स्वीकाश कश लिया।

ऐतिहासिक एलिस ब्रिज के इस काम में मुख्य ट्रस, निचले गर्डश, निचले स्ट्रिंगर्स औश बॉटम जॉइंट्स के जोड़ों की मश्म्मत औश प्रतिस्थापन शामिल होंगे। इसमें नए बियशिंग की स्थापना, समग्र घाट संश्चनाओं के बीच लेसिंग औश ब्रेसिंग को बदलना शामिल होगा। इसके अलावा, मौजूदा घाट को जंग से बचाने के लिए जंग-शेधी उपचाश, जीर्ण-शीर्ण निचले डेक स्लैब को हटाना औश मौजूदा घाटों का नवीनीकश्ण भी किया जाएगा। इसके बाद यात्री साबश्मती नदी के किनाशे विक्टोशिया गार्डन के पास आयोजित होने वाले पाशंपशिक शविवाश बाजाश तक आने-जाने के लिए फिश से पुल का उपयोग कश्ने में सक्षम होंगे। मौजूदा घाट को जंग से बचाने के लिए जंग-शेधी उपचाश, जीर्ण-शीर्ण निचले डेक स्लैब को हटाना।

एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज की होस्टेल से मिला विद्यार्थी का शव, जांच में जुटी पुलिस

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज की होस्टेल से एक विद्यार्थी का शव मिलने से सनसनी फैल गई मृतक विद्यार्थी के हाथ और गले पर ब्लैड मारने के निशान हैं, जिसे देख आशंका है उसने आत्महत्या की हैं फिलहाल अहमदाबाद की गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज में केमिकल इंजीनियरिंग के चौथे सेमेस्टर के छात्र उर्विन चूहिया का शव होस्टेल की तीसरी मंझिल के 435 नंबर के कमरे से बरामद हुआ हैं मृतक विद्यार्थी के हाथ और गले में ब्लैड मारे जाने के निशान हैं जिस कमरे से विद्यार्थी का शव बरामद हुआ है वह जर्जर हो चुका हैं इस घटना का तब पता चला जब मृत विद्यार्थी का दोस्त उससे मिलने कमरे पर पहुंचा विद्यार्थी का कमरा बंद देख उसके दोस्त को कुछ गलत होने का अंदेशा हुआ जब उसने कमरा खोला तो भीतर लहू से लथपथ उर्विन चूहिया की लाश पड़ी थी घटना की खबर पाते ही गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी प्राथमिक जांच में मृतक स्वयं ही हाथ और गले पर ब्लैड मारकर आत्महत्या की होने की आशंका हैं बताया जाता है कि 1 जुलाई को हुई परीक्षा में विद्यार्थी मोबाइल के साथ पकड़ा गया थी फिलहाल विद्यार्थी ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या की गई है, इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस मामले की जांच कर रही हैं

नई गैलेक्सी वॉच एवं बायोऐक्टिव सेंसर की मदद से पायें स्वास्थ्य के बारे में और भी ज्यादा सटीक जानकारी

गुरुग्राम, भारत - 8 जुलाई, 2024: सैमसंग डिजिटल हेल्थ इनोवेशन के ज़रिए आपके स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्तीम को ज़्यादा आसान और बेहतर बनाने के लिए गहन जानकारियों और कई स्वास्थ्य मानकों को एक साथ ला रहा है। इससे आपको ज्या दा असरदार और बेहतरीन स्वास्यं अनुभव मिलेगा। सैमसंग ने अपने बायोएक्टिव सेंसर की मदद से आपको ज़्यादा व्यापक, व्य क्तिगत और बेहद सटीक स्वास्थ्य डेटा देकर सरल और सटीक स्वास्थ्य निगरानी तक पहुंच प्रदान करने की पहल की है।

इस मिशन को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग अपने बायोएक्टिव सेंसर के नवीनतम संस्करण के साथ स्वास्थ्य निगरानी में नए मानक स्थापित कर रहा है। यह सेंसर अगली गैलेक्सी वॉच में होगा और यह न केवल अधिक सटीक हेल्थ मेजरमेंट्स प्रदान करेगा, बल्कि वियरेबल डिवाइस पर पहले कभी नहीं देखी गई उन्नत प्रेडिक्टिव एवं प्रिवेंटिव वेलनेस सुविधाओं को भी सक्षम करेगा।

पेश है सैमसंग का नया बायोएक्टिव सेंसर

अगली गैलेक्सी वॉच आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए नए बायोएक्टिव सेंसर के साथ आएगी। इस सेंसर की डिजाइन में कई सुधार किये गये हैं जिसकी वजह से ये पहले की तुलना में अधिक सटीक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करता है। इससे आपको अपनी सेहत का बेहतर ध्यान रखने में मदद मिलती है।

गांधीनगर-वाराणसी एक्सप्रेस में जोड़े जाएंगे 6 अतिरिक्त कोच

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 22468/22467 गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी-गांधीनगर कैपिटल साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन में 6 अतिरिक्त कोच स्थाई तौर पर जोड़े जाएंगे।जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ङ ट्रेन संख्या 22468/ 22467 गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी-गांधीनगर कैपिटल साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन में 11 जुलाई 2024 से गांधीनगर से तथा 10 जुलाई 2024 से वाराणसी से एक थर्ड एसी, दो थर्ड एसी इकॉनोमी, दो स्लीपर तथा एक सामान्य श्रेणी के कोच अतिरिक्त जोड़े जाएंगे।

ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in. पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल ट्रेन के कुछ स्टेशनों के लिए समय सारणी में बदलाव

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए चलायी जा रही ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल ट्रेन के अजमेर से लेकर रेवाड़ी तक आने वाले स्टेशनों की समय सारणी में तत्काल प्रभाव से बदलाव किया गया है। विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09523 ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल तत्काल प्रभाव से अजमेर स्टेशन पर 02.10 बजे, किशनगढ़ 02.38 बजे, जयपुर 04.05 बजे, गांधीनगर जयपुर 04.26 बजे, दौसा 05.05 बजे, बांदीकुई 05.29 बजे, अलवर 06.15 बजे, खैरथल 06.38 बजे और रेवाडी 08.25 बजे पहुंचेगी।

गौर तलब है कि इस ट्रेन के अजमेर से लेकर रेवाड़ी तक आने वाले स्टेशनों के अतिरिक्त अन्य किसी भी स्टेशन की समय सारणी में कोई भी बदलाव नहीं किया गया।ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry .indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95